RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 135 ● भिलाई, सोमवार 01 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

प. बंगाल के सीईओ ऑफिस को शिफ्ट करने पर विचार कर रहा चुनाव आयोग

कोलकाता। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सीईओ ऑफिस की सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है. इसलिए आयोग राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस को किसी सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करना चाहता है. ऐसा आदेश राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस को मिला है. साथ ही आयोग ने एक बार फिर कोलकाता पुलिस को सुरक्षा का मुद्दा याद दिलाया. बार-बार आरोप लगया जा रहा है कि बीएलओ को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का काम करते समय कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इसके विरोध में बीएलओ के एक ग्रुप ने सोमवार को राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस तक मार्च निकाला. उनका एक प्रतिनिधिमंडल बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर भी पहुंच गया जहां चीफ इलेक्शन ऑफिसर मनोज कुमार अग्रवाल बैठते हैं.

पहले जोड़े से वैध तलाक के बिना दूसरी शादी मान्य नहीं हो सकती : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि केवल पंचायती तलाक के आधार पर दूसरी शादी मान्य नहीं हो सकती है. जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हिन्दू मैरिज एक्ट के प्रावधान के किसी भी शर्त के उल्लंघन पर किसी शादी को मान्यता नहीं दी जा सकती. याचिकाकर्ता महिला जाट समुदाय की है और उसने जाट समुदाय के रिवाज के मुताबिक अपने पहले पति से पंचायती तलाक को मान्य होने और इस आधार पर अपनी दूसरी शादी के वैध होने का दावा कर रही थी. महिला ने 7 जून 2024 के फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. फैमिली कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि दूसरे पति के साथ उसकी शादी अमान्य थी क्योंकि यह हिन्दू मैरिज एक्ट की धारा 5(1) के साथ-साथ धारा 11 का उल्लंघन था. इन प्रावधानों के तहत अगर शादी के वक्त पति या पत्नी दोनों में से किसी भी पक्ष की दूसरे जीवित व्यक्ति के साथ पहली शादी कायम हो, तो दूसरी शादी शुरु से ही कानूनन अमान्य है.

बर्थडे पर हत्या : दोस्त ने गले लगाकर मारी गोली, मौके पर मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला एक बार फिर गोलियों की आवाज से दहल उठा. यहां एक नौजवान को उसके घर के बाहर गोली मार दी गई. नवीन शाहदरा स्थित शाहदरा थाने के पीछे देर रात हुई इस हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई. घटना उस समय हुई जब गगन आधी रात के बाद अपना जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रहा था. बताया जा रहा है कि कुछ युवक गगन से मिलने आए थे और बातचीत के दौरान ही हमलावरों ने उसे पास से गले लगाते हुए अचानक सिर में गोली मार दी. गोली लगते ही गगन मौके पर ही गिर पड़ा. इसी दौरान आरोपियों ने एक-दो फायर हवा में भी किए और उसके बाद फरार हो गए.सूचना मिलते ही शाहदरा जिला पुलिस, डीसीपी, शाहदरा थाने के एसएचओ, क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची.

चक्रवात 'दित्वा' के प्रभाव

तमिलनाडु के कई हिस्सों में हो रही भारी बारिश,तीन लोगों की मौत....

चेन्नई/ एजेंसी

चक्रवात 'दित्वा' के प्रभाव से तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जबकि वर्षा से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई. राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी. मौसम कार्यालय ने कहा कि अगले 24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पड़ोसी पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना है. तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा जिलों में भारी बारिश के कारण रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जिलों में भारी बारिश हुई है. तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित रहा क्योंकि भारी बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए. क्षेत्रीय मौसम विभाग के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, चक्रवात 7 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ गया है और यह कुड्डालोर से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किमी दक्षिणपूर्व, वेदारण्यम से 140 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 160 किमी दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 180 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है. मौसम विभाग द्वारा रविवार दोपहर जारी बुलेटिन में कहा गया है कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से चक्रवात के केंद्र की न्यूनतम दूरी लगभग 70 किमी है. बुलेटिन में कहा गया है, अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के समानांतर उत्तर की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है. उत्तर की ओर बढ़ते हुए, चक्रवाती तूफान 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर न्यूनतम 60 किमी और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटरेखा से 30 किमी की दूरी पर केंद्रित होगा. चक्रवात के प्रभाव के कारण, अगले 24 घंटों में कुड्डालोर, नागापट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों तथा पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में 60-70 किमी प्रति घंटे की गति से तेज. हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं. बुलेटिन में कहा गया है कि समुद्र का मौसम खराब रहने की आशंका है और 1 दिसंबर की सुबह तक इसमें धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है. मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है. राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री के. के. एस. एस. आर. रामचंद्रन ने बताया कि राज्य सरकार ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) सहित 38 आपदा प्रतिक्रिया टीम को मुस्तैद रखा है.

श्रीलंका में दित्वा चक्रवात के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत, भारत की मदद से बचाव अभियान जारी

श्रीलंका ने चक्रवात 'दित्वा' के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा. श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार शाम चार बजे जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार से अब तक 212 लोगों की मौत हो चुकी है और 218 लोग लापता हैं. डीएमसी ने बताया कि 9,98,918 लोग प्रभावित हुए हैं. इस बीच, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, एनडीआरएफके कर्मी श्रीलंका में स्थानीय अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय के तहत राहत अभियान जारी रखे हुए हैं. भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत एनडीआरएफके 80 किंमयों के दो तलाश एवं बचाव दलों को श्रीलंका भेजा है. भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने एक साहसिक अभियान के तहत भारतीयों समेत फंसे हुए यात्रियों को एक प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाला. वायुसेना ने कहा कि इस अभियान के दौरान तीन गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए हेलीकॉप्टर के जरिये अस्पताल भेजा गया.

एसआईआर लोगों के लिए मुसीबत का सबब

मुरादाबाद में बीएलओ ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

लखनऊ/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में काम के कथित दबाव के चलते बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की ड्यूटी कर रहे एक सहायक अध्यापक ने रविवार को अपने घर के स्टोर रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक की पहचान भोजपुर के बहेड़ी गांव के एक सहायक शिक्षक सर्वेश सिंह (46) के रूप में हुई है. सर्वेश भगतपुर टांडा गांव के एक स्कूल में तैनात था. वह सात अक्टूबर को बीएलओ बनाया गया था. तड़के करीब चार बजे सर्वेश की पत्नी बबली ने उसे फांसी पर लटकता पाया. उन्होंने बताया कि मौके पर मिले एक कथित 'सुसाइड नोट' में सर्वेश ने घुटन और डर महसूस करने का जिक्र करते हुए लिखा है कि बीएलओ के काम के लिए दिया गया समय अपर्याप्त है. ठाकुरद्वारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह ने कहा, बीएलओ सर्वेश सिंह ने आत्महत्या कर ली है और एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें लिखा है कि वह बीएलओ ड्यूटी का बोझ नहीं उठा पा रहे थे. उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लोगों के लिए 'मुसीबत का सबब। करार देते हुए निर्वाचन आयोग से उत्तर प्रदेश में यह कवायद पूरी करने की अवधि कम से कम तीन महीने तक बढ़ाने की मांग की है. यादव ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि एसआईआर लोगों के लिए 'मुसीबत का सबब' बन गया है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में एक महीने के भीतर लगभग 16 करोड़ मतदाताओं की गणना और सत्यापन संभव नहीं है.

सैम पित्रोदा का भी नाम

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया और राहुल के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेशनल हेराल्ड केस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नया मामला दर्ज किया गया है। नेशनल हेराल्ड केस में पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर छानबीन चल रही है। अब इस मामले में दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने इसी मामले में नए सिरे से एफआईआर दर्ज की है। ऐसे में नेशनल हेराल्ड केस मामले में आने वाले दिनों में गांधी परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ईओडब्ल्यू ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा उनके 6 अन्य सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठान के नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को धोखे से एक्वायर करने के लिए आपराधिक साजिश रची गई थी, जिनमें ये सभी शामिल थे। यह अधिग्रहण यंग इंडियन के जरिये किया गया था, जिसमें गांधी परिवार की 76 फीसद हिस्सेदारी है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से 3 अक्टूबर 2025 को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफनई एफआईआर की गई। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस ईओडब्ल्यू की ओर से यह मामला प्रवर्तन निदेशालय की मुख्यालय जांच इकाई की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। शिकायत में 2008 से 2024 तक नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच से जुड़े विस्तृत ब्योरे शामिल हैं।

नई एफआईआर के बारे में कांग्रेस को पता नहीं....

चौंकाने वाली बात यह है कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल के खिलाफदिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज नई एफआईआर के बारे में कांग्रेस पार्टी को पता ही नहीं है। कांग्रेस लगातार इन आरोपों को गलत बताती रही है और कहती है कि ईडी सरकार के इशारे पर राजनीतिक बदले की कार्रवाई कर रही है। पार्टी ने कहा कि उसे नई एफआईआर के बारे में कोई सूचना नहीं है। दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा तीन अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं।

एयरबस के 6,000 विमानों में गड़बड़ी ,इंडिगो-एयर इंडिया के उड़ानें प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज विमानन कंपनी एयरबस ने अपनी ए320 सीरीज के कई विमानों को तकनीकी खामी के बाद वापस बुलाया है। इससे इंडिगो और एयर इंडिया की करीब 250 उड़ानों पर असर पड़ सकता है। दोनों कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयरबस ने कहा है कि तेज सोलर रेडिएशन के कारण ए320 विमानों में फ्लाइट कंट्रोल से जुड़ा महत्वपूर्ण डाटा प्रभावित हो सकता है। इससे निपटने के लिए सॉफ्टवेयर परिवर्तनों की जरूरत होगी। एयरबस ने बताया कि सूर्य से आने वाला तेज रेडिएशन फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम के एक अहम कंप्यूटर डेटा को खराब कर सकता है।

बस के उड़े परखच्चे

तमिलनाडु में दो बसों की भीषण टक्कर से मची अफरा तफरी,काल के गाल में समा गए 11 लोग,कई घायल

नई दिल्ली। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में रविवार को दो बसों के बीच जोरदार टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा तिरुप्पत्तूर के पास कुम्मानगुडी रोड पर हुआ। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। एक बस तिरुप्पुर से कराईकुड़ी जा रही थी, जबकि दूसरी बस कराईकुड़ी से दिन्दिगुल की ओर जा रही थी। शिवगंगा जिले के पुलिस अधीक्षक शिव प्रसाद ने इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि टक्कर की सूचना मिलते ही मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और पुलिसकर्मी तथा स्थानीय लोग घायलों को बचाने के लिए दौड़ पड़े। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टक्कर के कारण दोनों बसों का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में कई यात्रियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस ने तुरंत घायलों को शिवगंगा जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने बताया कि कई घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों को तत्काल बेहतर इलाज उपलब्ध कराने और मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता देने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

नई दिल्ली में, ठंडी और धुंध भरी सर्दियों की सुबह, कर्तव्य पथ पर एक साइकिल सवार, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब बनी हुई है।

12 राज्यों में जारी एसआईआर पर बड़ा अपडेट

सात दिन तक बढ़ी डेडलाइन-आयोग..

नई दिल्ली/ एजेंसी

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन प्रक्रिया की समय-सीमा 7 दिन बढ़ा दी है। इलेक्शन कमीशन की ओर से पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए नया शेड्यूल जारी किया गया है। इसके अनुसार अब एन्यूमरेशन, बूथों के पुनर्गठन से लेकर ड्राफ्ट रोल की पब्लिकेशन और क्लेम-ऑब्जेक्शन की प्रक्रिया सभी संशोधित तिथियों के अनुसार होगी। यह विस्तार उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए है, जहां एसआईआर पहले से चल रही थी।

शीतकालीन सत्र में गतिरोध के आसार

विपक्ष का एसआईआर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा करने पर जोर

नयी दिल्ली/ एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हंगामेदार रहने और इसमें गतिरोध पैदा होने के आसार रविवार को उस वक्त दिखाई दिए जब सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक सुर में यह मांग उठाई कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराई जानी चाहिए. सरकार ने हालांकि कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी. सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने चुटीले अंदाज में यह भी कहा कि यह शीतकालीन सत्र है और इसमें सबको ठंडे दिमाग से काम करना चाहिए. कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एसआईआर के साथ ही दिल्ली विस्फोट की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया. इसके साथ ही, उन्होंने वायु प्रदूषण, विदेश नीति, किसानों की स्थिति, महंगाई, बेरोजगारी और कुछ अन्य विषयों पर सत्र के दौरान चर्चा कराने का आग्रह किया. बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की प्रचंड जीत से उत्साहित केंद्र सरकार इस सत्र में 14 विधायक पेश कर सकती है. इस सर्वदलीय बैठक में 36 राजनीतिक दलों के 50 नेता शामिल हुए. बैठक में सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए. कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव, द्रमुक के तिरुचि शिवा और कई अन्य दलों के नेता बैठक में शामिल हुए. किरेन रीजीजू ने सर्वदलीय बैठक को सकारात्मक करार देते हुए कहा, बैठक में जो भी सुझाव आए हैं, उनको विचार के बाद बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में रखा जाएगा. कुल मिलाकर 36 दलों के 50 नेता शामिल हुए. सरकार की तरफसे आश्वासन देता हूं कि संसद का शीतकालीन सत्र अच्छी तरह से चलाने के लिए विपक्ष के साथ बातचीत करते रहेंगे. विपक्ष नेताओं से अनुरोध है कि संसद को अच्छी तरह से चलाने में सहयोग करें. रीजीजू का कहना था, लोकतंत्र, विशेष रूप से संसदीय लोकतंत्र में गतिरोध होते हैं।

सहकारिता पंजीयक वाजपेई हुए सेवानिवृत, जिले के सहकारिता अधिकारियों ने किया विदाई समारोह

सक्ती। शक्ति जिले में सहकारिता विभाग प्रमुख सहायक पंजीयक सी पी बाजपेयी सेवानिवृत्त के विदाई समारोह का आयोजन शक्ति जिले के सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों द्वारा किया गया, इस अवसर पर जहां सहकारिता पंजीयक वाजपेई के कार्यो पर उन्हें पूरे विभाग की ओर से शुभकामनाएं दी गई, तथा सेवानिवृत्ति पर उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना भी की गई, जिला सक्ति के कार्यक्रम में सभी सहकारी निरीक्षक, अंकेक्षक, नोडल अधिकारी अश्वनी पांडेय, शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र तिवारी, जनक यादव, मोतीलाल चौहान, लीलाधर कवर, सहकारी समिति जिला अध्यक्ष एकलव्य चंद्रा, अरविंद तिवारी, पुरुषोत्तम राठौर, शोभनाथ चंद्रा, मीनाक्षी यादव, प्रभात जायसवाल, पुरुषोत्तम बरेठ, बलवंत, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक टी सी बघेल रामावतार चौबे जी,अभिषेक मिश्रा ,नारायण सोनी, सभी अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में जन्मदिन एव विदाई समारोह का आयोजन भव्यता से ससम्मान किया गया है।

शुद्ध पेय जल हेतु हेतु वाटर कूलर देने की स्वीकृति प्रदान की

गोविन्द सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय भाटापारा में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

भाटापारा। 76 वें संविधान दिवस के अवसर पर गोविन्द सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय भाटापारा में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाटापारा क्षेत्र के भाजपा के नेता शिवरतन शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे भाटापारा बलौदाबाजार जिले के कलेक्टर दीपक सोनी उपस्थित रहें। शिवरतन शर्मा ने संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों और उसके महत्ता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की वहीं कलेक्टर महोदय ने संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित शब्दों समता, न्याय,स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल भाव से विद्यार्थियों को परिचित कराया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीता दीवान, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत टंडन एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य कुंजराम कोसले निरंतर प्रयास से कलेक्टर ने बाउंड्री वाल निर्माण कराने की घोषणा की।

शिवरतन शर्मा ने अगले शिक्षण सत्र में एल एल एम प्रारंभ हो जाने का आश्वासन दिया जो महाविद्यालय के लिए बहुत ही आवश्यक था। विशेष रूप से आमंत्रित जनपद पंचायत अध्यक्ष सविता प्रदीप अनंत के द्वारा शुद्ध पेय जल हेतु हेतु वाटर कूलर देने की स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यक्रम में भाटापारा की एसडीएम श्यामा पटेल भाटापारा के तहसीलदार यशवंत राज, महाविद्यालय में सदैव सक्रिय सहयोग को तत्पर रहने वाले अभिषेक मिश्रा, पवन वर्मा योगेश अनंत, उमाशंकर वर्मा, महाबल बघेल, अभिनव मिश्रा, सुरेश यदु, मनिंदर सिंह गुंबर, पार्षद कीर्तन जयसवाल, चंद्रकांत खूंटे, प्रदीप बंजारे, आजाद कौशल, विजय सोनवानी, कृष्णा केशरवानी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खदान समूह के मुख्य महाप्रबंधक को मांग पत्र सौंपकर कर्मियों को सम्मानजनक पदनाम प्रदान करने की मांग की

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने दल्लीराजहरा खदान समूह के मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवाल को मांग पत्र सौंपकर प्रमुख मुददों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से खदान कर्मियों को सम्मानजनक पदनाम प्रदान करने की मांग की गई। जबकि सेल के सभी उपक्रम एवं खदान के सभी कर्मचारियों को सम्मानजनक पदनाम प्रदान किया जा चुका है। किन्तु बी.एस.पी. के खदानों में सम्मानजनक पदनाम प्रदान नहीं किया गया है। यूनियन ने मांग किया है कि पदनाम 01 जनवरी 2026 को प्रदान किया जाए। खदान कर्मियों ने उक्त मुददे पर रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि मांग पूरी न होने की स्थिति में सीधी कार्यवाही की जाएगी। 17 नवम्बर के सर्कुलर के आधार पर 01 दिसम्बर से रिटेंशन में आवास लिए हुए सेवानिवृत्त कर्मियों का आवास किराया लगभग 300 गुना लिया जाना है, यूनियन इस आदेश का विरोध करते हुए मांग किया है कि खदानों के लिए अलग से आवास नीति बनाई जाए जिससे खदानों में सौहार्द का वातावरण बना रहे ज्ञात हो खदान एक बार भी लीज स्कीम नहीं आया है। भिलाई में आवास लाइसेंस पद्धति से दिया जा रहा है खदानों में किसी प्रकार की लाभ सेवा सेवा निवृत कर्मियों को नहीं मिल रहा है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को रिटेन्शन में जमानत राशि भिलाई की तर्ज पर 9 लाख रूपये जमा करना पड़ता है, जबकि भिलाई शहरी क्षेत्र में आता है। अतः रिटेन्शन की जमानत राशि 2 लाख रूपये किया जाए। रिटेन्शन में जमानत लेने वाले कर्मचारियों की नौकरी की अवधि 5 वर्ष से कम किया जाए। विगत कुछ वर्षों में खदानों में चलने वाली मशीनरी के रख-रखाव में काफी कमी आई है जिसके कार्य करते समय दुर्घटना का भय बना रहता है। इस कारण उत्पादन-उत्पादकता भी कमी आ सकती है। सारी मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ पदाधिकारियों के द्वारा इस विषय में चर्चा हुई और मांगपत्र सौंपकर जल्द जल्द इसका निराकरण करने की आशा जताई। इस मौके पे छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा, महासचिव अनिल यादव, अजय मिश्रा, मोहम्मद नसीम कुरैशी, विजय भंज, के.शेष साईं उपस्थित रहे।

पुलिस को मिली सफलता चिखलाकसा के सूने मकान में चांदी के जेवरात व नगदी रकम की हुई थी चोरी

एक अपचारी बालक से जप्त चांदी के जेवर वा नगदी रकम, साइबर सेल व थाना राजहरा से बनी थी विशेष टीम

दल्लीराजहरा। नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा चित्रा वर्मा के प्रवेक्षण में थाना राजहरा व साइबर सेल से एक टीम गठित कर चिखलाकसा (दल्लीराजहरा) में चोरी के आरोपी की पतासाजी हेतु लगाया गया था। चोरी की सूचना पर प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना राजहरा में अपराध क्रमांक 353 /2025 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। गठित टीम द्वारा चिखलाकसा घटना स्थल पहुंच कर डॉग स्कॉट व साइबर सेल टीम द्वारा घटना स्थल से सूचना प्राप्त कर आस पास गांव के सीसीटीवी कैमरे का फुटेज चेक कर अज्ञात आरोपी के संबंध में जानकारी प्राप्त किया गया।

टीम द्वारा लगातार प्रयास से संदेही अपचारी बालक का पता चला जिसे पकड़ कर पूछताछ करने पर चोरी की घटना करना बताया। अपचारी बालक के कब्जे से 01 नग चांदी का करधन, 02 नग चांदी का पायल, नगदी रकम 30 हजार रूपये घटना में प्रयुक्त मोटर साइकल सीजी 08 एन 8180 टीवीएस अपचारी बालक को न्यायिक रिमांड पर बाल सुधार गृह भेजा गया। अज्ञात चोरी के केस को सुलझाने व चोरी के अज्ञात आरोपी पकड़ने में थाना प्रभारी राजहरा संतोष भुआर्य साइबर सेल प्रभारी स.उ.नि. धरम भुआर्य, प्रधान आरक्षक विवेक शाही, प्रधान आरक्षक राकेश साहू, आरक्षक भोप सिंह साहू, आरक्षक पुरण देवांगन आरक्षक विपिन गुप्ता, आरक्षक आकाश दुबे, आरक्षक आकाश सोनी, आरक्षक योगेश गेडाम, आरक्षक योगेंद्र सिन्हा, दीपक वानखेडे का योगदान रहा।

वाटरशेड महोत्सव में पानी पाठशाला सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन

बलौदाबाजार। जलग्रहण विकास कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाने हेतु 'वाटरशेड महोत्सव' का आयोजन कसडोल में किया गया। वाटरशेड महोत्सव आयोजन के दौरान माइक्रो वॉटरशेड मटिया में पानी की पाठशाला, संविधान शपथ, प्रभात फेरी, श्रमदान अंतर्गत साफ-सफाई, लोकार्पण, वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सदस्य रामकुमार टंडन, वाटरशेड कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारी द्वारा जल ग्रहण प्रयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों के द्वारा वाटरशेड महोत्सव तथा जलग्रहण के विकास कार्यों की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। बताया गया कि वाटरशेड महोत्सव में उत्कृष्ट

रीले प्रतियोगिता में रील श्रेणी के विजेता को 50,000 रुपए तथा फोटोग्राफी श्रेणी के विजेता को 1,000 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता 31 दिसंबर तक आयोजित होगी। प्रतिभागी जल संचयन संरचनाओं, बागवानी, कृषि वानिकी, सहित अन्य वाटरशेड योजनाओं के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं एवं उनके लाभों पर आधारित 30-60 सेकंड की रील, वीडियो बना सकते हैं। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी नारद कुमार भारद्वाज, तकनीकी विशेषज्ञ शुभम किंडो, सर्वेयर गेस राम, डब्ल्यूटी शदीपक सिंह चौहान, सालिक राम यादव, सरिता साहू, रिखी राम वर्मा एवं समस्त वाटरशेड समिति सचिव एवं स्व सहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का महाअधिवेशन हेतु प्रस्तावित स्थल किया निरीक्षण

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का महाअधिवेशन इस वर्ष बलौदाबाजार में होना है। आगामी सामाजिक महाधिवेशन के सफल आयोजन हेतु तैयारियों की प्रगति के तहत महाधिवेशन हेतु प्रस्तावित स्थल ग्राम चांपा का निरीक्षण किया गया। केंद्रीय व राज पदाधिकारियों ने निरीक्षण दौरान समुचित व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंच व्यवस्था, आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, भोजनालय क्षेत्र, पार्किंग, पानी-स्वच्छता सुविधाएँ तथा सुरक्षा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई और इस दृष्टि से ग्राम इकाई चांपा में 21 व 22 फरवरी 2026 को महाधिवेशन होना तय किया गया। उक्त स्थल निरीक्षण में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय

अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप, उपाध्यक्ष मोती राम वर्मा, महामंत्री यशवंत वर्मा, बलौदाबाजार राज प्रधान सुनीता वर्मा, राज मंत्री द्वारिका वर्मा सहित केंद्रीय व राज कार्यकारिणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजक राज बलौदाबाजार के राज प्रधान सुनीता वर्मा ने बताया कि महाधिवेशन समाज के उत्थान, सहभागिता और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस हेतु जनसहयोग एवं समाज के सभी वर्गों के सहयोग की अपेक्षा की गई है। अंत में केंद्रीय व राज कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नियत तिथि पर महाधिवेशन भव्य एवं सफल रूप से संपन्न होगा और समाज को नई दिशा देने का कार्य करेगा।

साइबर जिला पुलिस ने किसानों के लिए जारी की सुरक्षा संबंधी अपील

सक्ती। वर्तमान में शक्ति जिले के सैकड़ो खरीदी केंद्रों में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है, तथा इस खरीदी के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की अवैध धोखाधड़ी से बचाने की दिशा में शक्ति पुलिस ने अनुकरणीय पहल की है, शक्ति जिले के साइबर प्रभारी अमित सिंह द्वारा इस वर्ष धान खरीदी कार्य सुचारू, सुरक्षित एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने हेतु सक्ति पुलिस कप्तान के दिशा निर्देशन में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। सभी धान उपार्जन केंद्रों पर सुरक्षा गश्त बढ़ाई गई है तथा किसी भी अवैध गतिविधि, अनाधिकृत संग्रहण, कालाबाज़ारी या धोखाधड़ी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में जिला सक्ति के पुलिस अधीक्षक प्रफु ल्ल ठाकुर द्वारा नागरिकों तथा किसानों को धान खरीदी उत्सव में सतर्क और जागरूक रहकर शामिल होने की अपील करते हुए एक

वीडियो संदेश भी जारी किया गया है। वीडियो में एसपी महोदय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा पैसों का लालच या गलत वादा किया जाए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार की असामान्य गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत संबंधित थाना/गश्ती दल को सूचित करें, किसानों की सुविधाओं व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, सक्ति पुलिस सभी नागरिकों को आश्वस्त करती है कि धान खरीदी व्यवस्था को पूर्णतः सुरक्षित, पारदर्शी और अपराधमुक्त बनाए रखने हेतु पुलिस निरंतर सतर्क है और हर स्तर पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

टीआई नरेंद्र यादव की सक्रियता से बलात्कार के फरार आरोपी को 24 घंटे में ही रायगढ़ से किया गिरफ्तार

सक्ती। थाना बाराद्वार जिला सक्ती(छ.ग.) के अपराध क्रमांक 296/25 धारा 64(1) एम, 332(बी), 351(2) बीएनएस के अंतर्गत घर अंदर घुसकर पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर बलात्कार करने वाले फरार आरोपी को रायगढ़ से गिरफतार कर जेल भेजा दिया गया है,आरोपी - पुष्पेन्द्र बरेठ पिता जगमोहन बरेठ उम्र 29 साल निवासी निवासी वार्ड क्रमांक 09 दर्रीपारा लवसरा थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छग) है, दिनांक 25.11.25 के रात्रि 10.50 बजे, पीड़िता एवं उसके बच्चे के साथ घर में सोई थी, उसी समय आरोपी पुष्पेन्द्र बरेठ ,पीड़िता के घर अंदर घुसकर पीड़िता के हाथ को पकड़ने से पीड़िता के चिल्लाने पर उसकी मुंह को बंद कर जान से मारने की धमकी देते हुये जबरन शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार कर घटना दिनांक से फरार था। आरोपी की पतासाजी किया जा रहा था, मुखबीर से रायगढ़ में रहने की सूचना प्राप्त

होने पर मान पुलिस अधीक्षक महोदय प्रफु ल्ल कुमार ठाकूर (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव (रापुसे) से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर आरोपी पुष्पेन्द्र बरेठ पिता जगमाहन बरेठ उम्र 29 साल निवासी निवासी वार्ड क्रमांक 09 दर्रीपारा लवसरा थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छग) को रायगढ़ से गिरफतार कर न्यायिक रिमांड पर संबंधित न्यायालय पेश किया गया है,उक्त कार्यवाही में निरीक्षक नरेन्द्र यादव, प्रआर. श्यामा जायसवाल, प्रआर. मनीष राजपूत, प्रआर. देवनारायण चंद्रा,आर.योगेश राठौर, आर. टकेश्वर कटकवार ,आर. दिल्साय सोनवानी का योगदान रहा।

महिला समूहों द्वारा संविधान दिवस मनाया गया

दल्लीराजहरा। संविधान दिवस कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वारडेकर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शहरी आजीवका मिशन के सिटी मिशन मैनेजर केतन नायक के मार्गदर्शन में वार्ड क्रमांक 20 दुर्गा मंच में महिला समूह के सभी सदस्य एक साथ इकट्ठा होकर संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया गया। महिला समूह द्वारा अपने समुदाय और समूह के लिए सार्थक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियों की। भारत के मूल सिद्धांतों जैसे न्याय स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व के प्रति अपने प्रतिबद्धता को दोहराने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की सामुदायिक संगठन उमेश्वरी नेताम एवं सहायिका लक्ष्मी सिंह द्वारा चर्चा का आयोजन कर मौलिक अधिकारों विशेष रूप से समानता का अधिकार जो महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण है और एक नागरिक के रूप में अपने मौलिक कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करना, समूह

में सभी सदस्यों को सम्मान अवसर देना और अपने कर्तव्यों को पूरा करना। इस कार्यक्रम में महिला समूह के आंतरिक नियमों जैसे की बैठकों के नियम ऋण वितरण नीति ब्याज दर बैठक पंजी की समीक्षा एवं महिलाओं से पांच सूत्र के बारे में चर्चा समूह की प्रगति को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ना एसजी का गठन कैसे करे, स्वयं को संगठित करने और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के मौलिक अधिकार का उपयोग करना है। यह देश के सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित महिला समूहों को भारतीय संविधान की महत्ता मूल अधिकारों, मूल कर्तव्य तथा नागरिक दायित्वो के प्रति जागरूक किया गया। सभी लोगों को संविधान के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया गया।

जमीन की दरो में की गई वृद्धि के विरोध में जिला कांग्रेस ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के आहवान पर जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा तथा शहर कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा बेमेतरा शहर के पुराना बस स्टैंड में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। उक्त दहन का कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य में जमीन की कीमतों में सरकारी गाइडलाइन में की गई बेतहाशा वृद्धि के विरोध स्वरूप किया गया है, इसमें जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा का कहना है कि जिस तरह से भाजपा की साय सरकार ने छत्तीसगढ़ में जमीनों का सरकारी रेट बढ़ाया है, उससे यह जाहिर हो गया है कि यह सरकार अमीरों की सरकार है। गरीब और मध्यम वर्गी के हाथ से तो अब जमीन खरीदना सपने देखने के समान हो चला है, जिस दर में जमीनों के भाव को सरकार ने पहुंचा दिया है। आम आदमी अपनी पूरी जिंदगी खर्च करके भी इतनी रकम शायद ही जोड़ पाए।

यही हाल सरकार ने रजिस्ट्री की कीमतों में भी किया है जिससे आम आदमी मध्यमवर्गीय और गरीब आदमी अपने रहने के लिए छत का भी इंतजाम न कर सके। भाजपा की सोच साफ-साफ दिख रही है क्या आम जनता ने इसी विकास को लेकर भाजपा को वोट दिया था कि वह आम लोगों का जीना दुश्वार कर दे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में की गई वृद्धि के विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री का पुतला दहन का कार्यक्रम किया जा रहा है ताकि भाजपा की यह कुंभकरण की नींद सोई हुई सरकार आम जनता के परेशानियों को सुन सके, समझ सके। पुतला दहन कार्यक्रम में सुरेंद्र तिवारी अवनीश राघव मंगत साहू प्रणीश चौबे ललित विश्वकर्मा सुमन गोस्वामी रवि परगनिहा मिथलेश वर्मा हरिश साहू सुशीला जोशी रीता पांडे झम्मन बघेल रश्मि मिश्रा रूबी सलूजा योगिता साहू मनोज शर्मा रवि रजक प्रवीण शर्मा नवीन ताम्रकार मोंटू तिवारी दीपक दिनकर राजू साहू प्रशांत तिवारी चंद्र प्रकाश शीतलानी प्रकाश ठाकुर टोकेश्वर साहू रूप सिंह साहू निलेश वैष्णव संदीप राजपूत अजय राज सेन प्रदीप परगनिहा राजकुमार बंजारे वैभव मिश्रा कमल साहू जय प्रकाश साहू अनिल दुबे राघवेंद्र मनु नारायण छाबड़ा जगजीत सिंह अयोध्या चंद्राकर सीताराम यादव जयप्रकाश राज आसिफ खान बलवंत साहू विकास चौबे अतुल साहू सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर का कार्य राजधानी में प्रगति पर, महापौर ने विभिन्न वार्डों का लिया जायजा

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार प्रगतिरत एसआईआर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र सुन्दर नगर, रायपुरा, डी डी नगर, सरोना आदि विभिन्न स्थानों में किया. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने जोन कमिश्नरों, अधिकारियों, बीएलओ से एसआईआर कार्य की प्रगति की जानकारी ली और ड्यूटी पर लगाए गए जोन कार्यालय में मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों की कंप्यूटर पर डाटा एंट्री करवा रहे बीएलओ से चर्चा की और एसआईआर कार्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से त्रुटिरहित तरीके से पूर्ण करवाने कहा. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र के रहवासी सभी मतदाता नागरिकों से जागरूकता का परिचय देते हुए गणना पत्रक को तत्काल भरकर सम्बंधित बीएलओ को देकर लोकतंत्र मजबूत बनाने में सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील पुन: की. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने बीएलओ द्वारा घर - घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक वितरण के अभियान की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और सभी मतदाताओं से गणना पत्रक में सही और स्पष्ट जानकारी देकर बीएलओ को सहयोग कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने सहभागी बनने की एक बार पुन: विनम्र अपील की.

ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर महिला का हंगामा, कपड़े उतारने की घटना से लोगों में हड़कंप

रायपुर। ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर एक महिला के अचानक कपड़े उतारकर हंगामा करने से राहगीरों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।ऑटो से उतरते ही महिला ने चिल्लाना शुरू कर दिया और वहां मौजूद लोगों को अपशब्द भी कहे। इस दौरान उसका छोटा बच्चा भी वहीं खड़ा था, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग चिंतित हो उठे। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से फैल रहा है। हालांकि पुलिस के पास अब तक कोई शिकायत नहीं पहुंची है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला अपने बच्चे के साथ ऑटो में आ रही थी। रास्ते में किसी बात पर ऑटो चालक से उसकी कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद वह ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे के पास उतरी और अचानक कपड़े उतारकर हंगामा करने लगी। इसके बाद वह बच्चे को साथ लेकर चौराहे की ओर चली गई और लगातार गाली-गलौज करती रही। फिलहाल न तो महिला की पहचान हो पाई है और न ही ऑटो चालक का पता चल सका है। सोशल मीडिया पर कई लोग इस घटना को लेकर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जिला ऑटो संघ के अध्यक्ष आजम खान ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें सोशल मीडिया से मिली है। उन्होंने कहा कि किस चालक से विवाद हुआ, इसकी जांच की जा रही है और पता चलते ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि अब तक न तो कोतवाली और न ही किसी चौकी में शिकायत दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि अगर कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस तुरंत जांच कर उचित कदम उठाएगी।

संजय मार्केट एवं मीना बाजार के सामने से चोरी हुई बाइक जब्त,आरोपी गिरफतार

रायपुर। मीना बाजार देखने आए युवक की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी थी। एसपी बस्तर शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर थाना प्रभारी कोतवाली भोला सिंह राजपुत के नेतृत्व में टीम गठित कर,आरोपी पतासाजी हेतु टीम रवाना किया गया। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी का पता तलाश किया गया। इसी दौरान सीसीटीवी के आधार पर आरोपी हेमंत कुमार पिता साधुराम नायर उम्र 25 साल पता ग्राम बम्हनी थाना नगरनार जिला बस्तर एवं अरुण हरिजन 19 साल पता सासाहंदी कोरापुट उड़ीसा की पहचान कर हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने साथ मिलकर घटना दिनांक को मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार कर चोरी किए दो मोटर सायकल को छुपाए स्थान से पेश करने पर मौके पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया । दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया।

बस्तर में विश्वास, सुरक्षा और स्थायी शांति का वातावरण हो रहा है स्थापित-मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 तथा पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन जैसी मानवीय, संवेदनशील और दूरदर्शी पहल ने बस्तर में विश्वास, सुरक्षा और स्थायी शांति का वातावरण स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादी भ्रमजाल में फँसे अनेक लोग अब हिंसा का मार्ग छोड़कर विकास और मुख्यधारा की ओर लौट रहे हैं। इसी क्रम में आज दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं 25 लाख के इनामी चैतू उर्फ श्याम दादा सहित कुल 65 लाख रुपए के इनाम वाले 10 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। मुख्यमंत्री ने इसे बदलते बस्तर और सरकार की नीतियों की सफलता का स्पष्ट प्रमाण बताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुनी मन की बात की 128 वीं कड़ी

महिला खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हमारे लिए गर्व का पल-मोदी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में नेचर फॉर्मिंग को बढ़ावा देने, खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी की प्रशंसा
- मन की बात सिर्फएक कार्यक्रम नहीं यह देश की सामूहिक चेतना का बन गया है उत्सव-साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण, नेवल म्यूजियम,

नेचर फॉर्मिंग के महत्व, तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियाँ अत्यंत प्रेरक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पेस टेक्नोलॉजी में जेन-ज़ी युवाओं द्वारा मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन परीक्षण, असफल चंद्रयान-2 से सफल चंद्रयान-3 की प्रेरणादायी कहानी, महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र में ही महाभारत आधारित 3ष्ठ लाइट एवं साउंड म्यूज़ियम, राष्ट्र को समर्पित स्वदेशी डिज़ाइन वाले युद्धपोत 'आईएनएस माहे', भूटान यात्रा, बनारस में आयोजित होने वाले चौथे 'काशी तमिल संगमम', विंटर टूरिज्म एवं विंटर गेम्स, तथा 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशभर में चल रहे नवाचारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और 'मन की बात' के माध्यम से वे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देशवासियों तक पहुँचाते हैं। उनके अनुभवों का खजाना हमें यह सीख देता है कि 'लोकल को ग्लोबल' कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं रायपुर में मौजूद हैं और इसी दौरान हमें 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से राव बने उर्जादाता

- बिजली बिल शून्य, अतिरिक्त बिजली से हो रही आमदनी
- सुकमा जिले में इसके सकारात्मक परिणाम तेजी से सामने आ रहे हैं

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। इस योजना से घरों की बिजली की जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी अर्जित कर रहे हैं। सुकमा जिले में इसके सकारात्मक परिणाम तेजी से सामने आ रहे हैं। नगर पंचायत कोंटा के निवासी श्री मोसेस राव ने अपने घर की छत पर इस योजना के तहत 3 केवी का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया है। यह स्थापना छत्तीसगढ़ इनोवेशन द्वारा की गई है। श्री राव बताते हैं कि योजना से जुड़ने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से 1 लाख 8 हजार रुपये की सौर सब्सिडी मिली, जिससे सोलर सिस्टम लगाने की लागत काफी कम हो गई। उन्होंने बताया कि उनके घर में उपयोग होने वाली सारी बिजली सोलर सिस्टम से ही मिल जाती है और बची हुई बिजली सीधे विद्युत विभाग को भेजी जाती है। विभाग द्वारा अतिरिक्त बिजली का वार्षिक भुगतान किया जाएगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी भी होगी। श्री राव ने कहा कि यह योजना ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही है और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल से राहत पाएं और स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं। श्री मोसेस राव ने केंद्र और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही सब्सिडी आम परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला युवक पकड़ाया

रायपुर। जिले की कोटा थाना पुलिस ने नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा बालिका को बरामद कर परिजन को किया सुपूर्द, आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मिली जानकारी क अनुसार दिनांक 27.11.2025 को प्रार्थी द्वारा थाना कोटा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोटा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में कोटा पुलिस द्वारा तत्काल पतासाजी की गई। दौरान पता चला कि आरोपी रमन चतुर्वेदी एवं अपहृता मटसगरा के आगे नहर के पास देखे गए हैं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच

सफल आयोजन हेतु कलेक्टर ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक...

- छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएँ- कलेक्टर

रायपुर/ संवाददाता

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में 3 दिसंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में आयोजन से जुड़ी सभी प्रमुख व्यवस्थाओं—यातायात, सुरक्षा, खिलाड़ियों के आवागमन, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा दर्शकों की सुविधा की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएँ। आयोजन के सुचारु संचालन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन भी किया गया है। क्रिकेट आयोजन एजेंसी छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से श्री हरि ने तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय करते हुए यातायात प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि मैच के दिन किसी प्रकार की असुविधा न हो। खिलाड़ियों के आवास, परिवहन, पेयजल व्यवस्था, एम्बुलेंस, प्रकाश एवं सुरक्षा जैसी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मैच रायपुर जिले के लिए गौरव का विषय है।

नवंबर माह में पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के लिए अभियान

- पचास प्रतिशत प्रमाण पत्र जमा
- शहरों में भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य 8 अधिकृत बैंकों द्वारा विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के पेंशनरों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि द्वारा नवंबर माह में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। संचालक श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देश पर सभी बैंकों में पेंशनरों से जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वृद्ध पेंशनरों को बैंक शाखाओं में जाकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय तथा संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र मिशन 4.0 के तहत अब पेंशनर किसी भी बैंक में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते हैं। राज्य के विभिन्न शहरों में भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य 8 अधिकृत बैंकों द्वारा विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जहां फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक से पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही पेंशनरों को यह सुविधा भी दी गई है कि वे मोबाइल ऐप या वेबसाइट के माध्यम से अपने आधार और मोबाइल नंबर का उपयोग कर घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकें। राज्य के विभिन्न शहरों में भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य 8 अधिकृत बैंकों द्वारा विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जहां फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक से पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र लिए जा रहे हैं। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य के पेंशनरों की कुल संख्या में से लगभग 50 प्रतिशत पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा किए जा चुके हैं।संचालक पेंशन एवं भविष्य निधि द्वारा पेंशनरों से अपील की गई है कि वे नवंबर माह में जारी इस विशेष अभियान का लाभ अवश्य लें और समय पर अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करें।

नए साल की नई सुबह नक्सल गढ़ में प्रस्फुटित होगी शांति की नई किरण

रायपुर। नाए साल की नई सुबह छत्तीसगढ़, मप्र आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र जैसे नक्सल प्रभावित राज्यों के लिए शांति और उम्मीद की नई किरण प्रस्फुटित करने जा रही है। एमएमसी जोन के सैकड़ों नक्सली 1 जनवरी 2026 से हथियारबंद संघर्ष विराम करने वाले हैं। नक्सलियों ने एक शर्त भी रखी है कि जो राज्य सरकार उन्हें तवज्जो देगी, वे उसी राज्य के साथ जाएंगे। एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत ने एक प्रेसनोट जारी कर सभी नक्सलियों से यह बात कही है। अनंत ने एमएमसी जोन के सभी नक्सलियों से यह अपील की है। नक्सली नेता अनंत ने कहा है एक एक करके समर्पण न करें सब एकसाथ जाएंगे। नक्सली नेता ने यह भी कहा है कि वे अपने साथियों के साथ सरकार की पूना मार्गेम अभियान को स्वीकार करेंगे समर्पण नही नक्सल प्रवक्ता ने आपसी तालमेल और संपर्क के लिए बाउपेंग का एक खुला फ्रीक्वेंसी नंबर भी जारी किया है और कहा है कि जो सरकार उन्हें ज्यादा तवज्जो देगी, वे उसी सरकार के साथ जाएंगे। नक्सल प्रवक्ता ने कहा है कि हथियार छोड़ने का मतलब जनता के साथ धोखा या गद्दारी नही है, बल्कि यह समय संघर्ष के लिए उचित नहीं है क्योंकि हथियार एक साध्य है साधन नही।

किसानों के लिए आय में वृद्धि का नया अध्याय पीएम-आशा योजना

- किसानों के लिए आय में वृद्धि का नया अध्याय

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री-अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलहन एवं तिलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की गई, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है। योजना का उद्देश्य कृषकों से दलहनी तथा तिलहनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय करना है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम.आशा) एक व्यापक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करके लाभकारी मूल्य दिलाना है। इसमें तीन मुख्य घटक शामिल हैं: मूल्य समर्थन योजना मूल्य स्थिरीकरण कोष और मूल्य घाटा भुगतान योजना है । इसका मुख्य लक्ष्य किसानों की आय को बढ़ाना और उनकी आय के संरक्षण की दिशा में काम करना है। इस योजनांतर्गत राज्य में उत्पादित किये जाने वाली अरहर, उड़द एवं मसूर का शत् प्रतिशत उपार्जन तथा शेष फसलों यथा मूंगफली, सोयाबीन, मूंग, चना, सरसों का राज्य के उत्पादन का 25 प्रतिशत उपार्जन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी प्रापण संस्थाओं (प्रोक्योरमेंट एजेंसीज) नाफेड तथा एनसीसीएफ के माध्यम से किया जायेगा। सबसे खास बात यह है कि सरकार न केवल दालों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है, बल्कि किसानों की आमदनी को बढ़ाना चाहती है। सरकार चाहती है कि दाल उगाने वाले किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा मिले और उनकी फसल की समय पर खरीद की जा सके। इसी दिशा में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) शुरू किया गया है, जो किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। इसके तहत किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की जाएगी। पीएम-आशा के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत जिले में 5 उपार्जन केन्द्रों विकासखंड बलौदाबाजार जिले में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बलौदाबाजार, विकासखंड पलारी में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमेरा, विकासखंड भाटापारा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धुर्राबांधा, विकासखंड कसडोल में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कसडोल, विकासखंड सिमगा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिमगा का नाम शासन द्वारा अधिसूचित किया गया है।

बस्तर पंडुम 2026 हेतु उच्चस्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

उपमुख्यमंत्री सहित वन मंत्री श्री केदार कश्यप एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल बैठक में हुए शामिल

- 05 जनवरी-05 फरवरी 2026 तक 'बस्तर पंडुम 2026' का होगा आयोजन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को जीवंत बनाने के लिए 'बस्तर पंडुम 2026' के आयोजन के लिए शनिवार को उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के रायपुर स्थित निवास पर उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल बैठक में शामिल हुए। इस महोत्सव में बस्तर संभाग की अनूठी लोककला, संस्कृति, रीति-रिवाज और पारंपरिक जीवनशैली को मंच देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर पंडुम का आयोजन न केवल बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास है, बल्कि इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को प्रोत्साहन प्रदान करने का सुनहरा अवसर भी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इसका सफल आयोजन हेतु सभी विभागों को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करना है। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर पंडुम अपने आप में अनूठा अवसर है जो बस्तर के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विविधता और उसकी खूबसूरती एक बड़े मंच पर दिखाने का मौका प्रदान करती है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम का आयोजन राज्य की संस्कृति का परिचायक है। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां तय समय सीमा में पूर्ण करनी होंगी। 05 जनवरी-05 फरवरी 2026 तक होने वाले 'बस्तर पंडुम 2026' में 12 प्रमुख विधाओं में बस्तर के पारंपरिक नृत्य-गीत, रीति-रिवाज, जनजातीय नृत्य, वाद्ययंत्र, शिल्प, पारंपरिक व्यंजन, जनजातीय गीत, वेशभूषा, चित्रकला, आंचलिक साहित्य, जनजातीय नाट्य, जनजातीय आभूषण, पेय पदार्थ एवं वन-औषधी के प्रदर्शन पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी।

संपादकीय

चाहे संसद का कोई भी सदन हो... आलोचना के लिए भी जगह होनी चाहिए

संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा। सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है, जिसमें सदस्यों के लिए 'करने' और 'न करने' वाली बातों का जिक्र है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नहीं की जानी चाहिए। बुलेटिन में कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है। जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को बेहतर बनाना है, लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका स्वागत किया जाना चाहिए। यही भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह संभव न होता। चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हर बात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम है। पिछले कई उदाहरण हैं, जहां विपक्ष और चेयर के बीच तनाव भरे रिश्ते देखने को मिले। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदड़ धनखड़ के कार्यकाल में तो यह तनाव बिल्कुल चरम पर था। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की एक टिप्पणी को लेकर राज्यसभा की प्रिविलेज कमिटी में मामला चल रहा है, जो उसी तनाव का नतीजा है। लोकतंत्र में कोई भी आलोचना के परे नहीं कहा जा सकता। यह तो बेहतरी का जरिया है। राज्यसभा बुलेटिन से ऐसा भी लग सकता है कि सांसदों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाया जा रहा है, जिसका संदेश अच्छा नहीं जाएगा। हां, इस बात का ख्याल सभी को रखना चाहिए कि अभिव्यक्ति या आलोचना का अधिकार भी कुछ सीमाओं के साथ लागू होता है। शीत सत्र वैसे भी सरकार और विपक्ष के संबंधों की नई आजमाइश है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के लिए यह पहला सेशन है। मॉनसून सत्र का अनुभव अच्छा नहीं था। तब राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.88 प्रतिशत थी।

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। रामलला के दर्शन के लिए यदि अयोध्या जी जा रहे हैं तो निश्चित होकर जाएं। ये मानकर जाए कि भगवान के घर जा रहे हैं। उनकी शरण में जा रहे हैं। बस फिर किसी चिंता की जरूरत नहीं। दर्शन के लिए किसी की सिफारिश मत कराइए। सीधे जाइए। दर्शन करिए और 20 से 30 मिनट में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ जाइए। हमारा दावा है विश्व के किसी भी धर्म के तीर्थस्थल से इससे ज्यादा सुलभ दर्शन कहीं संभव नही हैं।

अयोध्या जी, बहुत सुलभ हैं रामलला के दर्शन

(अशोक मधुप)

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। भगवान राम को शीश नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू?सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा।

अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ रास्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था। अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआईपी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे।

अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी? प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। रामलला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए। यहां प्रसाद लेकर जाने की जरूरत नही है। मंदिर की ओर से प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद मिलता है। मंदिर परिसर में मोबाइल वर्जित है। परेशानी उन्हें होती है जो सुरक्षा कर्मियों की नजर बचाकर मोबाइल मंदिर में लेकर जाना चाहते हैं। सुरक्षा जांच में मोबाइल पकड़ा जाता है। इन मोबाइल ले जाने वालों को लौटकर मंदिर के गेट पर आकर लॉकर में फोन रखकर फिर दर्शन को जाना पड़ता है। इस तरह इन्हें अन्य श्रद्धालुओं से एक डेढ़ किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। मंदिर में अपना सामान करने के लिए लॉकर की व्यापक व्यवस्था है, किंतु इस काम में लगभग आधा घंटा लग जाता है। अच्छा यह है कि अपना पर्स, लैदर की बैल्ट, मोबाइल और कैमरा अपने कमरे पर छोड़ कर आए। अपनी आईडी और जरूरत के लिए रुपये अपनी जेब में रखलें। हमने ऐसा ही किया। इससे मंदिर के लॉकर में सामान जमा करने का हमारा आधे से एक घंटा बच गया। हम दर्शन कर 20 से 25 मिनट में मदिर से बाहर आ गए। व्हील चेयर लेने वालों और दिव्यांग के लिए तो और सुविधा है। उनका जाने का रास्ता अलग से है।

भारत के उत्तर-प्रदेश राज्य में स्थित अयोध्या, जो पारंपरिक रूप से एक अलग त्वरित तीर्थ-नगर थी, अब आधुनिकता और भक्ति के संगम का उदाहरण बनती जा रही है। खास कर राम जन्मभूमि (जिसके अंतर्गत राम मंदिर का निर्माण हुआ) के बाद इस नगर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। ये कार्य सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। यहां 15-16 करोड़ के करीब यात्री अब प्रतिवर्ष आने

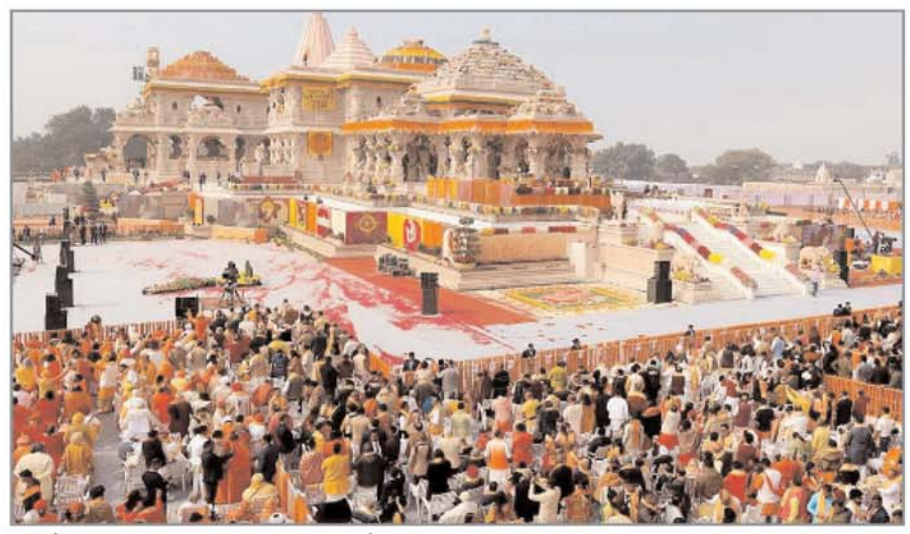

लगे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी ही। इस बढ़ती संख्या ने होटल, गेस्ट-हाउस, परिवहन-सेवाएँ, स्थानीय व्यापार व स्मृति-चिंतन उद्योग को गति दी है। अतः अयोध्या अब सिर्फ भक्ति-की जगह नहीं बल्कि एक सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था (हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, परिवहन) का केन्द्र बनती जा रही है। इस प्रकार मंदिर-के पश्चात् अयोध्या की पहचान बदल रही है। अब अयोध्या 'भक्ति नगर' से 'भक्ति + विकास नगर' की ओर बढ़ रही है। विकास-यात्रा में पहुँचना और सहज अनुभव देना अहम है। इसलिए अयोध्या में कई बुनियादी संरचना-परियोजनाएँ लाई गई हैं।

एयर-कनेक्टिविटी के लिए महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा का निर्माण हुआ है। इसमें आने वाले चरणों में टर्मिनल विस्तार व रनवे विस्तार भी शामिल है। अयोध्या में रेलवे स्टेशन व आधुनिकीकृत सड़कें बनायी गई हैं। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन विश्व का श्रेष्ठतक रेलवे स्टेशन बनाने का प्रयास है। यहां यात्रियों के लिए तीन सौ के आसपास डार्मेट्री और कुछ रिटायरिंग रूम बनाये गए हैं। अन्य काम जारी है।

राम मंदिर के आसपास के तीर्थ स्थलों के लिए पैदल जाने के लिए मार्ग विकसित किया जा रहा है। इसे भक्ति पथ नाम दिया गया यह मार्ग, रामपथ से निकलता हुआ मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं के चलने-वाले हिस्सों को सजाता है एवं पैदल यात्रियों के लिए खास व्यवस्था करता है। इसमें दुकानों-घरों को अलग रंग-रूप दिया गया है। भक्ति पथ वाले हिस्सों में 'सफ़ेद एवं भोरका' रंग के बजाय एक विशिष्ट सजावट का उपयोग हुआ है। भक्ति पथ मंदिर-मार्ग के उन हिस्सों को सूचीबद्ध करता है जहाँ पैदल-यात्रा अधिक होती है, अतः इस तरह से इसका उद्देश्य अभ्यागतों को आरामदायक एवं सुरक्षित चलने-वाले मार्ग देना है।

राम मंदिर तक पंहुच के मार्ग का नाम राम पथ दिया गया है। यह एक प्रकार से रिंग रोड जैसा है। इस मार्ग को भव्य रूप दिया जा रहा। यह मार्ग लगभग 13 किलोमीटर लंबा है और प्रमुख रूप से सहादतगंज से लेकर नया घाट (या नायाघाट) तक जाता है। इस मार्ग के दोनों किनारों पर दुकानों-घरों की एकरूप रूप से मरम्मत एवं पेंटिंग की गई है। सभी को एक समान रंग-रूप में सजाया गया है। सड़क को चौड़ा किया गया है और मुख्य रूप से 40 फीट या उससे अधिक चौड़ाई वाला बना कर बनाया गया है ताकि भीड़-भाड़ व आने-जाने में आराम हो सके। लाईटिंग-सिस्टम, फावड़े-प्लांटर्स, पेड़-पौधे, फुटपाथ, मिडियन में धार्मिक प्रतीक-स्तंभ जैसी सुविधाएं लगाई गई हैं। स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए इस मार्ग पर गोल्फ कार्ट (इलेक्ट्रिक बग्गी) चलाई है। इसका प्रतियात्री किराया 20 रुपया रखा गया है। इस किराए के से आप इस मार्ग के किसी भी स्थान तक जा सकतें हैं। इन सरकारी गोल्फ कार्ट के कारण ई?रिक्शा चालक भी मनमाने दाम नहीं वसूल कर पाते।

पुरानी परंपरा के हिस्से के रूप में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को श्रद्धा-परिक्रमा मार्ग नाम दिया गया है। इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा (एनएच-227बी) मिला है। इससे अयोध्या और आसपास के तीर्थस्थलों का जुड़ाव बढ़ा है। इसको भी भव्य रूप दिया जा रहा है। इसके पुलों और फ्लाई ओवर के दोनों ओर भगवान राम के जीवन से संबधित झांकी बनाई जा रही है। नगर के बीच से एक पंचकोसी प्रतिक्रमा के विकास पर भी काम चल रहा है।

इन परिवहन सुधारों से न केवल तीर्थ-यात्रियों की सहजता बढ़ी है बल्कि स्थानीय व्यापार-संवाद व रोजगार-अवसरों में भी इजाफा हुआ है। आधुनिक विकास सिर्फ बड़ी इमारतें या सड़कें नहीं बल्कि बेहतर जीवन-मान और पर्यावरण-संगत विकास भी है। अयोध्या में इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। अयोध्या को 'मॉडल सोलर सिटी' घोषित किया गया है। 40 मेगावाट का सौर संयंत्र सरयू नदी के किनारे स्थापित किया गया है। इससे शहर की मांग की लगभग 25-30 प्रतिशत ऊर्जा पूरा हो रही है। यहां 550 एकड़ के नव्या अयोध्या टाउनशिप का विकास हुआ है, जिसमें स्मार्ट बिजली-डक्स, भूमिगत नाली-प्रणाली है। सरयू नदी के घाटों का सौंदर्यीकरण व लॉन्ग वॉक-वे बनाए गए हैं, जिससे पर्यटक अनुभव बेहतर हुआ है। सरयू घाट की आरती देखने को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रोड उमड़ती है। इस आरती को देखने का अभी सही प्रबंध नहीं है। उसे बनाने की जरूरत है। बड़े-बड़े टीवी भी इसे देखने के लिए लगाए जा सकते हैं। इनसे श्रद्धालु सरयू किनारे कहीं भी बैंच या फर्श पर बैठकर आराम से आरती देख ले।

मंदिर-के बाद अयोध्या में अब सिर्फ दर्शन तक सीमित नहीं रही बल्कि सांस्कृतिक और अनुभव-आधारित पर्यटन पर भी ध्यान गया है। नए संग्रहालय व सांस्कृतिक केंद्र बनाएं जा रहे हैं। मंदिर परिसर के आस-पास संग्रहालय, रामायण अध्ययन संस्थान जैसी योजनाएं चल रही हैं।

उत्सव व कार्यक्रम को रोचक बनाया जा रहा है। दीपोत्सव में लाखों दीये, ड्रोन-शो आदि का आयोजन हुआ है जो सिर्फ स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण बना है। पारंपरिक हस्तशिल्प व पर्यटन-वस्तुओं को बढ़ावा मिल रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों को नए?नए अवसर मिल रहे हैं।

राम मंदिर के बाद अयोध्या में जो विकास गति पकड़ी है, वह सिर्फ पूजा-पथ नहीं बल्कि समृद्धि-पथ है। तीर्थयात्रा से बढ़कर यह अब अनुभव-और-उद्यम-नगर बनता जा रहा है। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि यह विकास वैश्विक दर्जे का होने के साथ-साथ स्थानीय अनुभव-सक्षम और पर्यावरण-अनुकूल भी बने।

अयोध्या का प्राचीन समय नाम साकेत है। साकेत भगवान राम के समय का भव्य नगर। आज का नगर उससे भी विशाल आकार ले रहा है। भगवान राम के साकेत (अयोध्या जी) पर महाकवि मैथिलीशरण गुप्त का काव्य साकेत की ये पंक्तियां इस नगर का भव्य चित्रण करती हैं।

देख लो, साकेत नगरी है यही, स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।

केतु-पट अंचल-सदृश हैं उड़ रहे,कनक-कलशों पर अमर-दृग जुड़ रहे।

सोहती हैं विविध-शालाएँ बड़ी; छत उठाए भित्तियाँ चित्रित खड़ी।

गेहियों के चारु-चरितों की लड़ी, छोड़ती हैं छाप, जो उन पर पड़ी!

स्वच्छ, सुंदर और विस्तृत घर बने,इंद्रधनुषाकार तोरण हैं तने।

देव-दंपती अट्ट देख सराहते; उतरकर विश्राम करना चाहते।

फूल-फलकर, फैलकर जो हैं बढ़ी, दीर्घ छज्जों पर विविध बेलें चढ़ी

पौरकन्याएँ प्रसून-स्तूप कर, वृष्टि करती हैं यहीं से भूप पर।

फूल-पत्ते हैं गवाक्षों में कढ़े, प्रकृति से ही वे गए मानो गढ़े।

दामनी भीतर दमकती है कभी, चंद्र की माला चमकती है कभी।

सर्वदा स्वच्छंद छज्जों के तले,प्रेम के आदर्श पारावत पले।

केश-रचना के सहायक हैं शिखी, चित्र में मानो अयोध्या है लिखी ! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या संसद का शीतकालीन सत्र कोई नया मानक स्थापित कर पाएगा या नहीं....

(कमलेश पांडे)

कभी लोकतंत्र की जनभावनाओं को स्पष्ट करते हुए फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर ने कहा था कि मैं आपके विचार से सहमत नहीं हो सकता, लेकिन उसे कहने के आपके अधिकार की रक्षा आखिरी दम तक करूंगा। लेकिन यह विशुद्ध रूप से संस्कारवान नीति की बात है। आज जबकि लोकतांत्रिक सियासत का विकृत चेहरा घटना दर घटना सामने आ चुका है और चाहे उच्च सदन हो या निम्न सदन, दोनों की विभिन्न कुसंस्कारी घटनाएं कुछ गलत नजीर/नजरिया प्रदान कर चुकी हैं तो इनकी निरन्तरता को लेकर अब प्रशासनिक और न्यायिक सख्ती की जरूरत आन पड़ी है। क्योंकि अब राजनीतिक अचार संहिता भी पक्षपात पूर्ण प्रतीत होने लगी हैं। ऐसे में फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर के विचारों से पूर्णतया सहमत नहीं हुआ जा सकता है। चूंकि भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र आगामी 1 दिसंबर 2025 से शुरू होगा। इसलिए सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी नकारात्मक अतीत से सबक लेकर सकारात्मक दृष्टांत प्रस्तुत करना चाहिए। इसे जनहित के विषय पर स्वस्थ बहस का मंच बने रहने देना चाहिए। राजनेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि उनकी सियासत तो होती रहेगी, लेकिन इस क्रम में जो अनैतिक परंपराएं विधायिका के ऊपर हावी होती चली जा रही हैं, उसे रोकने की प्राथमिक जिम्मेदारी हमारे माननीय सांसद बंधुओं पर ही है। क्योंकि लोकसभा व राज्यसभा की ही नकल अब विधानसभा व विधानपरिषद में ही होने लगी है। खासकर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि के नाम पर बयानबाजी व गुटबाजी तथा झड़प को रोकने की जरूरत है। यही वजह है कि सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है, जिसमें सदस्यों के लिए करने और न करने वाली बातों का जिक्र किया गया है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नही की जानी चाहिए। यही स्वस्थ संसदीय परंपरा समझी जाती है। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है। जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को अतीत की अपेक्षा और बेहतर बनाना है, लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना की जगह समालोचना हो तो और अच्छी बात होगी। लेकिन सियासी कुलोचना कतई नहीं होनी चाहिए। और न ही इसे बर्दास्त किया जाना चाहिए। इस प्रकार से देखा जाए तो राज्यसभा का बुलेटिन सदन की बेहतरी में ही मदद करेगा। चूंकि यह उच्च सदन है। इसलिए इसकी जिम्मेदारी भी ज्यादा बनती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का ही हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका पुरजोर स्वागत किया जाना चाहिए। कुछ यही पवित्र भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। उसके फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। इस प्रकार आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह सबकुछ संभव ही न होता।लेकिन सदन में विपक्ष से तनाव न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हरबात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी ही है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम बात है। ऐसा प्रतीत होता है कि लोकसभा का भी हाल कुछ ऐसा ही ही रहेगा। क्योंकि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष कब क्या कर बैठेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। वही लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके शहंशाह गृहमंत्री अमित शाह कब कौन सी रणनीति लेकर विपक्ष पर टूट पड़ेंगे, पूर्वानुमान लगाना कठिन है। वैसे भी लालकिला दिल्ली आतंकी बम ब्लास्ट की घटना से सरकार के तेवर आतंक परस्त विपक्ष को लेकर आक्रामक है। इंडिया गेट अर्बन नक्सली कांड से सरकार गम्भीर हो चुकी है। एसआईआर पर कांग्रेस और ममता के तेवर से सरकार चौकन्नी हो चुकी है। इसलिए विपक्ष को भी राष्ट्रवादी संवेदनशीलता दिखानी होगी, अन्यथा सियासी महाभारत तय है। जब युद्ध या प्रेम होगा तो स्वाभाविक रूप से सबकुछ जायज ठहराने की नापाक कोशिश होगी ही। अबतक भी तो यही सबकुछ हुआ है न! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)।

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

(प्रह्लाद सबनानी)

इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय, यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर कुछ मीठा हो जाए जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं; होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है; महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है; माई बॉडी माई चोईस; हमको भारत में रहने में डर लगता है; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि। जब भी बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी ही लाएंगे जैसे तथ्यों को आत्मसात करना चाहिए। इससे न केवल चीन बल्कि अमेरिका को भी संदेश जाएगा कि भारत अब कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है तथा वैश्विक स्तर पर भारत अब इनके दबाव में आने वाला नहीं है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उपविजेता बनीं कड़मपाल, दर्शकों की रहीं भारी भीड़

कलिंगा सोशल वेलफेयर संस्था द्वारा आयोजित बैलाडीला कबड्डी कप पर जावंगा का कब्जा

किरंदुल। समाजसेवी संस्था कलिंगा सोशल वेलफेयर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संभाग स्तरीय बैलाडीला कबडडी कप का शानदार आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में संभाग की 34 टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमें फाईनल मुकाबला जावंगा व कड़मपाल के मध्य खेला गया। इस रोमांचक मैच में जावंगा की टीम ने 15 - 29 से जीत दर्ज करते हुए बैलाडीला कबडडी कप की ट्रॉफी अपने नाम किया।वही कड़मपाल की टीम उपविजेता रहीं। इस फाईनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, विशिष्ट अतिथि में जनपद पंचायत अध्यक्ष, कुआकोंडा सुकालू मुड़ामी, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह अन्य सम्मानित अतिथियों

में सत्यजीत चौहान (जिला महामंत्री भाजपा), डॉ. तेज प्रकाश (सीएसआर प्रमुख एएमएनएस), फादर दिलीप मैथ्यू (प्राचार्य प्रकाश विद्यालय), शैलेंद्र सिंह (पूर्व पालिकाध्यक्ष), मीना मंडावी (सरपंच कोडनार पंचायत), राज प्रसाद (सचिव किरंदुल चैंबर ऑफ कॉमर्स), आज़ाद सक्सेना (जिला अध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ), महिला संगठन के सचिव भावना सर्वदे, अध्यक्ष अनिल राजी मोल, संदीप साव (बैलाडीला व्यापारी संघ) मुख्य रूप से उपस्थित थे।चार दिन चले इस प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संपन्न करने में मैच रेफ़री जागेश्वर जुर्री, शंकर चौधरी, निर्मल बघेल, देवेश साहू, शिव कुमार पुरामे, उमेश कुंजाम, भोला, मंगल, पतिराम, नागनाथ, दुर्गा प्रसाद साहू, जोगाराम मुड़ामी, मंगल कड़ती का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरे मैच में अपने कॉमेंट्री से सरोज मांझी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वही मंच संचालन दिनेश साहू द्वारा किया गया। नगर में हुए इस सफल आयोजन में कालिंगा सोशल वेलफे यर के अध्यक्ष रवि दुर्गा, महासचिव किशोर जाल, तनु क्षत्रिय, ज्ञानेंद्र साहू, लव हरपाल, आशीष आदि अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण भागीदारी रहीं।

बाबा साहेब सेवा संस्था ने महात्मा मनाई ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि

कोण्डागांव। कोंडागांव कोर्ट चौक बाबा सहेब सेवा संस्था कार्यालय में संध्या को महान भारतीय समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्जित कर श्रद्धांजलि अर्पित गई। हर साल 28 नवंबर को मनाई जाती है। इसी दिन, 28 नवंबर 1890 को उनका निधन हुआ था। बाबा साहेब सेवा संस्था द्वारा आयोजन बाबा साहेब सेवा संस्था (या इसी तरह के फु ले सेवा संस्थान) जैसी संस्थाएं महात्मा ज्योतिबा फु ले जी की पुण्यतिथि पर उनके सामाजिक सुधार कार्यों और विचारों को याद करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती हैं। इन आयोजनों में अक्सर निम्नलिखित शामिल होते हैं पुष्पांजलि महात्मा फुले की प्रतिमा या चित्र पर फूल माला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। विचार

गोष्ठी/वेबिनार उनके जीवन, शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान, जातिगत भेदभाव के खिलाफ उनके संघर्ष, और सत्यशोधक समाज की स्थापना पर चर्चा की जाती है। सामाजिक उत्थान पर जोररू उनके सिद्धांतों और समाज में समानता लाने के उनके प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया जाता है। बाबा साहेब सेवा संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम किया गया है, लेकिन सामान्यतः ये संस्थाएं 28 नवंबर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक उन्हें याद करती हैं। 28 नवंबर को महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि के इस अवसर पर संस्था के संरक्षक पंचू सागर, प्रमोद भारती, अध्यक्ष भुवन लाल मार्कंडेय, देवानंद चौरे, मुकेश मार्कंडेय, हितेंद्र श्रीवास, पुष्कर सिंह मांडवी, अनुज नहारिया, तथ्यशील चौरे संदीप वासनिकर, श्वेता वासनिकर व पदाधिकारी उपस्थित थे। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित आय के साधनों के बीच यह पहल न केवल आर्थिक मजबूती देगी बल्कि परिवार की आजीविका में स्थिरता भी लाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगजन दिखाएंगे अपनी प्रतिभा का जौहर

कोण्डागांव। 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दिव्यांग व्यक्तियों के सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने, समान अवसर एवं अधिकार प्रदान करने तथा उनके समर्थ से परिचित कराने हेतु प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 03 दिसंबर 2025 को दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शारीरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा । मानसिक मंद बच्चों हेतु 50 मीटर दौड़, बास्केटबॉल थ्रो, सॉफ्ट बाल थ्रो, दृष्टिबाधित बच्चों हेतु मिश्रित मोतियों को अलग करना, स्पर्श द्वारा कपड़ों में भेद करना, अबेकस द्वारा गिनती ,25 मीटर दौड़ निर्धारित किया गया है। श्रवण बाधित बच्चों हेतु लंबी कूद, तवा दृगोला फेक 100 मीटर दौड़ ,कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़ निर्धारित किया गया है वही अस्थि बाधित दिव्यांगजन हेतु ट्राई साइकिल दौड़, बैसाखी दौड़, कैलिपर्स पहनकर तेज चलना,कुर्सी दौड़ एवं जलेबी दौड़ प्रतियोगिता काआयोजन किया गया है। अन्य दिव्यांग जनों हेतु चित्रकला, रंगोली, सुलेख, गुलदस्ता बनाना, मेहंदी प्रतियोगिता, क्ले वर्क का प्रतियोगिता, गिफ्ट पैकिंग, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन जिला मुख्यालय के एनसीसी ग्राउंड कोंडागांव में होना सुनिश्चित किया गया है।

इस खेल में अधिक से अधिक संख्या में दिव्यांगजन शामिल होने हेतु अपील किया गया है।

निशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किया जाएगा

इस अवसर पर ऐसे दिव्यांगजन जिनको कृत्रिम हाथ या पैर की आवश्यकता है, उनका नाप लिया जाकर कृत्रिम अंग भी प्रदान किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम जिला स्तर पर समाज कल्याण एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से 3 दिसंबर 2025 को एनसीसी ग्राउंड कोंडागांव में आयोजित की गई है। जिले के लगभग 475 चयनित दिव्यांग प्रतिभागी इस खेलकूद में हिस्सा लेंगे जिसमें शिक्षा विभाग, सभी जनपद पंचायत, नगर पंचायत केशकाल एवं नगरी निकाय कोंडागांव क्षेत्र अंतर्गत के दिव्यांग जनों को निश्चित संख्या के अनुसार जिसमें सभी पांचो विकास खंड से 50-50, नगर पंचायत केशकाल से20, एवं नगर पालिका क्षेत्र कोण्डागांव से 60, तथा शिक्षा विभाग अध्ययनरत दिव्यांगजन विद्यार्थी 125, कुल 475 की संख्या में चयनित दिव्यांगजन इस खेल के हिस्सा बनेंगे।

दिव्यांगजन खेल महोत्सव का होगा भव्य आयोजन : डीएमसी

इस अवसर पर डीएमसी ईमल बघेल समग्र शिक्षा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस खेल प्रतिभा में सभी प्रकार के दिव्यांगजन जिसमें श्रवण बाधित, अस्थि बाधित, बौद्धिक निशक्तता, पूर्ण दृष्टिबाधित बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभिन्न खेल जैसे 100 मीटर दौड़, 50 मीटर दौड़, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़ तथा एकल एवं सामूहिक नृत्य, साहित्यिक कार्यक्रम के तहत निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता,भाषण तथा कविता एवं कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

भाजपा के डबल इंजन की सरकार का गाईडलाईन की दरों में 10 से 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना अनुचित और अदूरदर्शी निर्णय : विक्रम मंडावी

बीजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा जमीनों के गाईड लाइन दर बढ़ाने का कांग्रेस विरोध करती है भाजपा सरकार का यह निर्णय अदूरदर्शी निर्णय है। उन्होंने आगे कहा कि गाईडलाइन की दर बढ़ने से आम आदमी को परेशानी होगी, लोगों का मकान, दुकान, फैक्ट्री बनाने का खर्च बढ़ जायेगा। भूमि की खरीदी-बिक्री बंद हो जायेगी या कम हो जायेगी और बेरोजगारी बढ़ेगी। भाजपा सरकार का यह फैसला प्रदेश के विकास में बाधा पहुंचाने वाला फैसला है । इस फैसले का कांग्रेस पार्टी विरोध करती और इस फैसले को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग करती है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा कि पूरे देश में ऐसा कहीं नहीं हआ कि एक साल में जमीन की गाईडलाईन 130 से 500 प्रितशत तक बढ़ा दी गयी हो। जबकि मुंबई, हैदराबाद,

दिल्ली, पुणे जैसे अन्य बड़े शहरों में भी जमीन की गाईडलाईन की दर एक बार में 10 से 15 प्रितशत ही बढाई जाने की परंपरा रही है। उन्होंने आगे कहा सरकार पहले भूमि के गाईडलाईन दरों में कांग्रेस सरकार के समय दिए जाने वाले 30 प्रितशत छूट को समाप्त कर दिया अब अचानक से जमीनों की सरकारी कीमत 10 से 100 प्रितशत बढ़ा दिया, मतलब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद भूमि की सरकारी कीमत 40 से 130 प्रितशत बढ गयी। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा पिछले हफ्ते ही सरकार ने निवेश क्षेत्र में कृषि भूमि की रेट की गणना में पिरवर्तन किया यदि एक किसान को एक एकड़ जमीन बेचना है तो शुरूआत के 15 हजार वर्गफीट तक वर्गफीट के हिसाब से स्टांप डयूटी देना होगा तथा उसके बाद की जमीन पर हेक्टेयर के दर से स्टांप डयूटी देनी होगी। इससे कृषि जमीने खरीदना महंगा होगा, किसानों की जमीनें बिकना बंद हो जायेगी। अब 30 लाख की जमीन के लिए 22 लाख की स्टांप ड्यूटी कोई सरफिरी सरकार ही लगा सकती है। उन्होंने कहा प्रदेश के कई शहरों के आसपास कुछ जगह ऐसी भी स्थिति बन गयी है कि अगर कोर्ड 1000 फीट जमीन की खरीदी 6 लाख रु. में करता है तो उसे 4 लाख 40 हजार रु. रिजस्ट्री शुल्क चुकाना होगा, कुछ क्षेत्रों में रिजस्ट्री शुल्क और जमीन की कीमत एक बराबर होगी और कुछ क्षेत्रों में जमीन की कीमत से ज्यादा रिजस्ट्री शुल्क देना पड़ेगा। ऐसे में गरीब आदमी मकान कैसे बनायेगा? तिनका तिनका जोड़कर और कर्ज लेकर जमीन खरीदने वालों को जमीन के साथ रिजस्ट्री के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा, फिर मकान बनाने पैसा कहाँ से इंतजाम करेगा? ये बड़ा सवाल है। विधायक विक्रम मंडावी कहा सरकार ने पहले ही 5 डिसमिल से कम जमीनों की रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके कारण गरीब आदमी मकान नहीं बना पा रहा, किसी के पास सिर्फ 1000 या 2000 वर्गफीट जमीन है तो वह उसमें से आधा बेच बेच भी नहीं सकता। ऐसा लगता है सरकार के फै सले जानबूझकर जनता को विशेषकर किसानों गरीबों और रियल स्टेट से जुड़े हुये लोगों को परेशान करने के लिये, लिये गये है। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि सरकार के द्वारा जमीन की रजिस्ट्रियों के संबंध में, भूमि के गाईडलाईन के संबंध में सरकार के फैसले जनता के हितों के खिलाफ है। कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार रियल स्टेट सेक्टर देता है, सरकार के इस अनुचित फैसले से छत्तीसगढ़ में रियल स्टेट व्यवसाय की कमर टूट जायेगी। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कांग्रेस सरकार ने 5 डिसमिल से कम जमीन की रजिस्ट्री शुरू कर तथा गाईडलाईन की दर में 30 प्रतिशत छूट कर प्रदेश में रियल स्टेट सेक्टर में प्राण फूंका था, यही कारण था कि कोरोना के समय भी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था मजबूत थी। वर्तमान सरकार के निर्णय से बेरोजगारी बढ़ेगी, अर्थव्यवस्था तबाह होगी, रियल स्टेट में गिरावट आयेगी। सरकार का आर्थिक प्रबंधन फेल हो गया है। सरकार के पास अपनी योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है इसीलिए सरकार विभिन्न मदों में टैक्स बढ़ा कर जनता पर बोझ थोप रही है। इसीलिए जमीन के गाईड लाईन के रेट बढ़ाये गये तथा बिजली के दाम बढ़ाये गये।

शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में जनजातीय गौरव कार्यशाला का आयोजन

किरंदुल। शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी, जनजातिय नायकों एवं सरस्वती माता के चित्रों पर पुष्प माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव दास अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, अरविंद महाविद्यालय किरंदुल रहे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास वीरता, त्याग और स्वाभिमान से भरा हुआ है, और आज की युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए शिक्षा व विकास की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित इतिहासकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयराम दास ने जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति और योगदान पर

विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे जनजातीय पूर्वजों ने संघर्ष, त्याग और साहस के बल पर अपनी भूमि और पहचान को बचाया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह गुंडाधुर, रानी दुर्गावती जैसे अनेक वीरों के बलिदान को याद किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी पहचान और संस्कृतिक धरोहर को संजोते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. हिरकने के द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक सुख रंजन नुरेटी सह संयोजक शारदा दर्रो प्राध्यापक डॉ. तंजीन आरा खान, डॉ. रवि रंजन ग्रन्थपाल, रजनी मण्डल, डॉ. ममता रात्रे, डॉ. शबीना खान, जीतेन्द्र पोंदी, धीरेन्द्र टंडन, आशीष नेताम एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का मंच संचालन ईशा साहू एवं निकिता यादव के द्वारा किया गया। समापन पर अतिथियों को महाविद्यालय परिवार द्वारा शाल श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

पीएम आवास योजना के कार्यों की हुई समीक्षा

कोण्डागांव। जिला पंचायत कोंडागांव में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत विशेष परियोजना के स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवास निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवासों को तत्काल प्रारंभ कराने तथा लंबित आवासों में निर्माण गति तेज करने पर विशेष जोर दिया। तकनीकी सहायकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने आवंटित ग्राम पंचायतों में नियमित भ्रमण कर हितग्राहियों से निरंतर संपर्क बनाए रखें तथा निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं का मैदानी स्तर पर तुरंत समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही, हितग्राहियों को निर्माण सामग्री समय पर उपलब्ध कराने एवं कार्य में गति लाने के लिए प्रेरित करने

के निर्देश भी प्रदान किए गए। बैठक में विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि विशेष परियोजना मद से आत्मसमर्पित एवं नक्सल पीड़ित परिवारों हेतु स्वीकृत आवासों को प्राथमिकता से शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत कोंडागांव जिले में स्वीकृत निर्माणाधीन आवासों को लक्ष्यानुसार समय पर पूर्ण करने एवं प्रगति को तीव्र गति प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण की प्रगति कम है, वहां सीईओ जनपद पंचायत, एसडीओ, आरईएस एवं विकासखंड समन्वयक द्वारा स्थल निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, निर्माणाधीन आवासों में कार्य प्रगति हेतु राष्ट्रीय महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के अभिसरण मद से 90 मानव दिवस का मस्टररोल जारी कर कार्यों में तेजी लाने पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विकासखंड समन्वयक, तकनीकी सहायक (आवास एवं मनरेगा), अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के उप अभियंता, एवं आवास निर्माण से जुड़े सभी अधिकारी उपस्थित थे।

बड़ेबंजोड़ा में मनरेगा डबरी बनी आजीविका का आधार, हितग्राहियों को मिला झींगा बीज

कोण्डागांव। जनपद पंचायत कोंडागांव में मनरेगा योजनांतर्गत निर्मित डबरी (कृषि तालाब) अब ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत बड़ेबंजोड़ा में दो लाभार्थियों लच्छूराम कोर्राम और मायाराम पोयमकृको मत्स्य विभाग द्वारा 500-500 ग्राम झींगा बीज का निःशुल्क वितरण किया गया। इस पहल का उददेश्य ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का स्रोत उपलब्ध कराना और कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन को भी आजीविका का स्थायी विकल्प बनाना है। मनरेगा के अंतर्गत निर्मित ये डबरियां सिर्फ जल संरक्षण का साधन नहीं, बल्कि बहुउददेशीय उपयोग के लिहाज से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। बड़ेबंजोड़ा

पंचायत में चयनित दोनों हितग्राहियों के तालाबों की क्षमता और स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद मत्स्य विभाग ने झींगा बीज वितरण की प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों के अनुसार झींगा पालन एक लाभकारी गतिविधि है, जिसमें कम लागत और उचित देखरेख से अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मत्स्य विभाग के कर्मचारियों ने झींगा बीज डालने के दौरान दोनों हितग्राहियों को आवश्यक तकनीकी जानकारी भी प्रदान की। उन्हें जल गुणवत्ता की निगरानी, उचित आहार व्यवस्था, तालाब की साफ-सफाई और सुरक्षा जैसे पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। लच्छूराम कोर्राम और मायाराम पोयम दोनों ने झींगा पालन शुरू करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवसर उनके लिए नई उम्मीद लेकर आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित आय के साधनों के बीच यह पहल न केवल आर्थिक मजबूती देगी बल्कि परिवार की आजीविका में स्थिरता भी लाएगी।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के भूगोल विभाग द्वारा तीन दिवसीय शैक्षणिक भौगोलिक भ्रमण

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव के भूगोल विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 17 छात्र-छात्राओं का तीन दिवसीय शैक्षणिक भौगोलिक भ्रमण 25 से 27 नवंबर तक आयोजित किया गया। यह अध्ययन भ्रमण महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भ्रमण दल का नेतृत्व विभागाध्यक्ष समलेश पोटाई, अतिथि व्याख्याता जगतू राम नेताम, तकनीशियन छबिलाल धनेलिया तथा शिल्पा दर्रो द्वारा किया गया। भ्रमण में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर भूगोल की छात्राएँ संदीपा सोरी, काजल, साक्षी तारम, श्वेता पटेल, कुसुम पांडे, पंचबती मरकाम, संगीता मरकाम, मेगोंती नेताम, तथा छात्र हरिचंद नेताम, अजीत कुमार नेताम

और नागेश कुमार नाग सम्मिलित हुए। वहीं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर भूगोल से उमेश्वरी शार्दुल, लखेश्वरी कोर्राम, देवंती नेताम, अंजली कश्यप, शेख ताहेरा, शेख साहेरा, ओजस्वी नेताम, सतवंत, कमलेश कुमार मरकाम तथा युवराज सिंह ठाकुर ने अध्ययन भ्रमण में भाग लिया। तीन दिवसीय इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ओडिशा स्थित हीराकुंड बाँध, पुरी के जगन्नाथ मंदिर, चिल्का झील तथा कोणार्क सूर्य मंदिर का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

हीराकुंड बाँध में विद्यार्थियों ने जलसंधारण प्रणाली, नदी घाटी परियोजना, सिंचाई एवं जल विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया तथा महानदी बेसिन की भू-आकृतिक संरचना का अध्ययन किया। जगन्नाथ मंदिर, पुरी में तटीय भू-आकृति, सांस्कृतिक भूगोल और धार्मिक पर्यटन के आर्थिक प्रभावों को समझा। चिल्का झील, एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून, में विद्यार्थियों ने वेटलैंड पारिस्थितिकी, जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों के आवागमन तथा स्थानीय मत्स्य अर्थव्यवस्था का अवलोकन किया। कोणार्क सूर्य मंदिर में भारतीय स्थापत्य कला, ऐतिहासिक भूगोल और पूर्वी तटीय भू-आकृति के विकास का अध्ययन किया गया।यह शैक्षणिक भौगोलिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक अनुभवों से परिपूर्ण सिद्ध हुआ। भ्रमण ने विद्यार्थियों को भूगोल के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक स्थलों पर प्रत्यक्ष रूप से समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

खेलते-खेलते लापता हुई 4 वर्षीय मिष्ठी, घर के पास पानी भरे गड्ढे में डूबने से दर्दनाक मौत

कोण्डागांव। सिटी कोतवाली कोण्डागांव क्षेत्र के कोपाबेड़ा में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मनोज देव की 4 वर्षीय मासूम बेटी मिष्ठी उर्फ इशिका की डूबने से मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 10 बजे की बताई जा रही है। बताया जाता है कि, सुबह मिष्ठी घर के सामने खेल रही थी। कुछ देर बाद वह नजरों से ओझल हो गई, जिसके बाद परिजनों ने आसपास उसकी तलाश शुरू कर दी। तलाश के दौरान घर से कुछ दूरी पर नहर पारा तालाब के किनारे खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में मिष्ठी का मफलर तैरता दिखाई दिया। शक के आधार पर जब परिजनों ने गड्ढे की पड़ताल की, तो मासूम मिष्ठी पानी में डूबी हुई मिली। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल सिटी कोतवाली कोण्डागांव पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

भूकंप के झटकों से सहमा अलास्का, 6.0 तीव्रता के जोरदार झटके लगे

अलास्का , एजेंसी। अलास्का के एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र में गुरुवार सुबह 6.0 तीव्रता के भूकंप ने जोरदार झटके दिए। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 8:11 बजे आए इस भूकंप का केंद्र सुसिल्ना से करीब 12 किलोमीटर पश्चिम-उत्तरपश्चिम में था और यह धरती की सतह से लगभग 69 किलोमीटर गहराई में दर्ज किया गया। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के बाद तत्काल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। वहीं, यूएस सुनामी वॉर्निंग सिस्टम ने स्पष्ट किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अमेरिका का अलास्का क्षेत्र दुनिया के सबसे अधिक भूकंप-प्रवण इलाकों में गिना जाता है, जहां लगभग हर साल 7.0 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप महसूस किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गुरुवार का यह कंपन दक्षिण मध्य अलास्का में 2021 के बाद आया सबसे तीव्र भूकंप है। हालांकि झटके तेज थे, लेकिन राहत की बात यह है कि किसी तरह की बड़ी तबाही की खबर सामने नहीं आई है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है।

पाकिस्तान में 22 टीटीपी आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना पर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम 22 टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। देश की सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि यह अभियान बुधवार को उत्तर-पश्चिमी प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में 'फितना अल-खवारिज' से जुड़े आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद चलाया गया। फितना अल-खवारिज शब्द का प्रयोग पाकिस्तानी प्राधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए किया जाता है। सेना ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकानों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई की और भीषण गोलीबारी के बाद 22 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब भी मौजूद किसी अन्य आतंकवादी को मार गिराने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

नेपाल के राष्ट्रपति ने 5 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए सेना की तैनाती को मंजूरी दी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को कैबिनेट के फैसले और प्रधानमंत्री की सिफारिश को मंजूरी दे दी, जिसमें अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए नेपाली सेना को जुटाने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 24 नवंबर को हुई कैबिनेट बैठक के अनुरूप यह सिफारिश भेजी थी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना तैनात करने के सरकार के फैसले का समर्थन किया।

तीसरी दुनिया के लोगों, अमेरिका में घुसने नहीं दूंगा

● व्हाइट हाउस के पास आतंकी हमले के बाद ट्रंप का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। हाल में ही अमेरिका के राष्ट्रपति आवास के पास एक अफगानी नागरिक ने दो नेशनल गार्ड जवानों पर गोली चला दी। इस हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने आतंकी घटना बताया था। गोलीबारी में 20 साल की बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है।

इस बीच डोनल्ड ट्रंप ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक पोस्ट करते हुए एलान किया कि वह तीसरी दुनिया के सभी देशों से माइग्रेशन को हमेशा के लिए रोक देंगें, जिससे यूएस सिस्टम पूरी तरह से ठीक हो सके।

ट्रंप के इस फैसले का कितना होगा असर?: माना जा रहा है कि ट्रंप के इस फैसले का बहुत बड़ा असर होगा। इसका प्रभाव उन लोगों पर पड़ेगा, जो नौकरी, पढ़ाई और अपने देशों में जुल्म से बचने के लिए यूएस आते हैं।

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि यूएस ने टेक्नोलॉजी में

तरक्की की है, लेकिन उसकी इमिग्रेशन पॉलिसी ने उन फायदों और कई लोगों के रहने के हालात को खत्म कर दिया है। आगे कहा कि मैं यूएस सिस्टम को पूरी तरह से ठीक होने देने के लिए सभी तीसरी दुनिया के देशों से माइग्रेशन को हमेशा के लिए रोक दूंगा।

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति पर साधा निशाना: पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि बाइडेन के लाखों गैर-कानूनी एडमिशन को खत्म कर दूंगा, जिसमें स्लीपी जो बाइडेन के ऑटोपेन से साइन किए गए एडमिशन भी शामिल हैं और ऐसे किसी भी व्यक्ति को हटा दूंगा जो यूनाइटेड स्टेट्स के लिए नेट एसेट नहीं है, या हमारे देश से प्यार करने में असमर्थ है।

उन्होंने एलान किया कि वह गैर-अमेरिकियों के लिए सभी फेडरल फायदे और सब्सिडी को खत्म कर देंगे। घरेलू शांति को कमजोर करने वाले माइग्रेंट्स को समाप्त किया जाएगा। साथ ही किसी भी विदेशी नागरिक को डिपोर्ट किया जाएगा, जिसकी अमेरिका में कोई आवश्यकता नहीं है।

आतंकी हमले में एक नेशनल गार्ड की मौत

गौरतलब है कि हाल में ही व्हाइट हाउस के पास एक अफगानी नागरिक ने गोलीबारी की। इस हमले में दो नेशनल गार्ड्स घायल हो गए। शूटर ने दो नेशनल गार्ड ट्रूपर्स, सारा बेकस्ट्रॉम और एंड्रयू वोल्फ के पास जाकर करीब से फायरिंग की। इसमें 20 साल की बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। इस हमले पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वेस्ट वर्जीनिया की सारा बेकस्ट्रॉम बहुत इज्ज़तदार, जवान, शानदार इंसान थी। उनका अभी-अभी निधन हो गया है। वह अब हमारे बीच नहीं हैं।

बिल्लियों के आतंक से परेशान हुआ न्यूजीलैंड, अब 25 लाख को मारने की तैयारी

वेलिंग्टन, एजेंसी। जैव विविधता के लिए मशहूर न्यूजीलैंड पिछले कुछ समय से फेरल (जंगली) बिल्ली के आतंक से परेशान है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए पूरे देश में इनके खात्मे की योजना बना रहा है। इस योजना का लक्ष्य आगामी ढाई दशक में न्यूजीलैंड से इन जंगली बिल्लियों को पूरी तरह से खत्म करना है। संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने फेरल बिल्लियों को स्टोन कोल्ड किलर्स शब्द से परिभाषित करते हुए कहा कि इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया जाएगा। लोगों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्होंने कहा कि इस हमारा लक्ष्य केवल इन जंगली बिल्लियों को खत्म करना है, घरेलू बिल्लियां इससे बाहर हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटाका ने फेरल बिल्ली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल्लियां हमारी घरेलू बिल्लियों से अलग होती हैं। यह इंसान का संपर्क बर्दाश्त नहीं करती हैं। यह जरूरत से ज्यादा शिकार करना पसंद करती है। इसकी वजह से इसने कई प्रजातियों को नष्ट कर दिया है। इनका आतंक इस कदर है कि न्यूजीलैंड में अब देशी प्रजाति की बिल्लियां न के बराबर रह गई हैं। पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल पक्षी का लगभग जड़ से मिटा दिया है, वहीं उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में इन्होंने 100 से ज्यादा चमगादड़ों की हत्या की है। मंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड अनोखी जलवायु और जैव विविधता वाला देश है। यहां पर कई ऐसी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं भी नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें बचाने के लिए इन शिकारी बिल्लियों पर नियंत्रण लगाना आवश्यक है। आपको बता दें न्यूजीलैंड में करीब 25 लाख से अधिक जंगली बिल्लियां रहती हैं। यह बिल्लियां घरेलू बिल्लियों से थोड़ी बड़ीं और 7 किलो के वजह की हो सकती हैं। न्यूजीलैंड में इनकी बढ़ती संख्या की वजह से यह बहुतायत में मिल जाती हैं। जंगलों से लेकर खेतों तक यह हर जगह नजर आती हैं।

व्हाइट हाउस के पास हमले में घायल नेशनल गार्ड की मौत

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- 20 साल की थीं सारा बेकस्ट्रॉम

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास अफगानी नागरिक द्वारा किए गए हमले में दो नेशनल गार्ड घायल हो गए। इसमें से एक जवान सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। वहीं, दूसरा सैनिक गंभीर हालत में अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने यह जानकारी दी।

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास हुए आतंकी हमले के लिए ट्रंप ने बाइडेन-युग की इमिग्रेशन जांच की नाकामियों को जिम्मेदार ठहराया और शरण के मामलों की पूरी जांच का आदेश दिया। ट्रंप ने कहा कि 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की घावों से मौत हो गई और उनके साथी गार्ड्समैन एंड्रयू वोल्फ, 24, अपनी जान के लिए लड़ रहे थे।

एफबीआई ने जांच को बढ़ाते हुए कई प्रॉपर्टी की तलाशी ली, जिसमें वाशिंगटन राज्य में एक घर भी शामिल है जो संदिग्ध से जुड़ा था, जिसके बारे में अधिकारियों ने कहा कि वह 2021 में एक रिसेटलमेंट प्रोग्राम के तहत

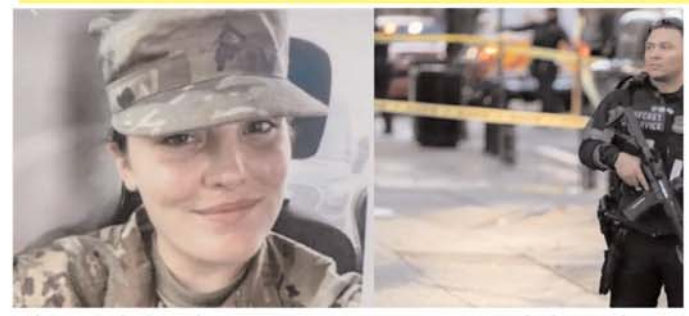

अमेरिका आने से पहले अफगानिस्तान में सीआई-समर्थित यूनिट का हिस्सा था।

कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त: एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एजेंट्स ने संदिग्ध के घर से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए, जिसकी पहचान 29 साल के रहमानुल्लाह लकनवाल के तौर पर हुई है, जिसमें सेलफोन, लैपटॉप और आईपैड शामिल हैं, और उसके रिश्तेदारों से पूछताछ की। वाशिंगटन, डीसी. के यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो ने कहा कि संदिग्ध ने देशभर में गाड़ी चलाई और फिर बुधवार दोपहर व्हाइट हाउस के पास पेट्रोलिंग कर रहे गार्ड मेंबर्स पर हमला किया।

आतंकवादी हमला: ट्रंप ने यूएस मिलिट्री सर्विस मेंबर्स के लिए थैंक्सगिविंग कॉल में कहा, मैं हमारे पूरे देश के दुख और डर को बताना चाहता हूं कि कल हमारे देश की राजधानी में आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें एक वहशी राक्षस ने वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के दो सर्विस मेंबर्स को गोली मार दी, जो डीसी टास्क फोर्स के हिस्से के तौर पर तैनात थे। अपने व्हाइट हाउस के पहले के राष्ट्रपति जो बाइडेन के एडमिनिस्ट्रेशन पर इल्जाम लगाते हुए, ट्रंप ने कहा कि कथित बंदूकधारी, जिसे उन्होंने पागल बताया, उन हजारों अफगानों में से एक था जो 2021 में यूएस के अफरा-तफरी वाले रिमूवल के दौरान बिना जांच के अंदर आ गए थे। उन्होंने कहा कि संदिग्ध की ज्यादती हमें याद दिलाती है कि हमारे देश में आने और रहने वाले लोगों पर पूरा कंट्रोल रखने से बड़ी कोई नेशनल सिक्योरिटी प्रायोरिटी नहीं है। एक पावरफुल रिवॉल्वर, .357 मैग्नम से लैस, बंदूकधारी ने एक सदस्य को गोली मारी जो गिर गया और फिर दूसरे सदस्य पर कई बार गोली चलाने से पहले दोबारा गोली चलाई। गिरफ्तार होने से पहले गार्ड सदस्यों के साथ गोलीबारी में बंदूकधारी घायल हो गया था। रिपोर्टर्स से बात करते हुए, ट्रंप ने पिरो और पटेल के आरोपों को दोहराया कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन उन पॉलिसीज के लिए जिम्मेदार है।

तजाकिस्तान की सीमा पर अटैक में तीन चीनी नागरिकों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की सीमा सटे तजाकिस्तान में चीन के इंजीनियरों पर ड्रोन से घातक हमला हुआ है। इस बात की जानकारी दुशांबे में चीन के दूतावास ने दी। इस हमले में तीन चीनी नागरिकों की मौत हुई है।

तजाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से बताया कि यह हमला यूएवी से किया गया है। इस यूएवी में ग्रेनेड और विस्फोटक लोड किए गए थे, जिससे एक गोल्ड माइनिंग पर हमला किया गया। तजाकिस्तान ने बताया कि यह हमला सीमा पार यानी अफगानिस्तान की ओर से किया गया। अभी तक की जानकारी के अनुसार, बुधवार रात को तजाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी खटलोन इलाके में एक कैंप हाउसिंग कंपनी के कर्मचारियों को निशाना बनाते हुए इस हमले को अंजाम दिया गया। चीनी दूतावास की ओर से बताया गया कि बुधवार शाम को ताजाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी खतलोन प्रांत में हुए इस हमले में एक और चीनी नागरिक घायल हो गया। वहीं, अपने नागरिकों से बॉर्डर वाला इलाका खाली करने की अपील की। हालांकि, अभी दूतावास की ओर से यह नहीं बताया गया कि इस हमले के पीछे कौन था, लेकिन माना जा रहा है कि चीन ने तजाकिस्तान से जांच करने की अपील की है।

28 नवंबर को क्यों मनाया जाता है रेड प्लैनट डे? मंगल ग्रह से जुड़ा है इतिहास

वाशिंगटन, एजेंसी। 28 नवंबर को हर साल रेड प्लैनेट डे मनाया जाता है। इस खास दिन का इतिहास मंगल ग्रह की अंतरिक्ष यात्रा से जुड़ा हुआ है। इसी तारीख को साल 1964 को नासा ने मैरिनर 4 स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया था। यह मंगल ग्रह के पास सफलतापूर्वक फ्लाईबाई करने वाला पहला मिशन था।

इस मिशन के बाद नासा के स्पेसक्राफ्ट ने मंगल ग्रह की पहली क्लोज-अप तस्वीरें भेजी थी। जिससे पता चला कि इस ग्रह की जमीन कैसी है। इसी मिशन के बाद से भविष्य में मंगल ग्रह पर होने वाले सभी एक्सप्लोरेशन की नींव रखी गई।

रेड प्लैनेट डे हर साल 28 नवंबर को मनाया जाता है। ला ग्रह दिवस नासा के अंतरिक्ष यान मेरिनर-4 के प्रक्षेपण को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों में मंगल के प्रति जागरूकता बढ़ाना ह।

यह दिन बताता है कि मेरिनर-4 मिशन मंगल के अध्ययन की एक अहम शुरुआत थी।

मंगल को क्यों कहा जाता है लाल ग्रह

मंगल ग्रह को रेड प्लैनेट या लाल ग्रह कहा जाता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि मंगल को अपना खास लाल रंग आयरन ऑक्साइड से मिलता है। एक तरीके से यह जंग है, जो इसकी मिट्टी और धूल पर जम जाता है। बता दें कि आयरन से भरपूर पार्टिकल्स एटमॉस्फियर के साथ मिलकर ग्रह को उसका जाना-माना लाल रंग देते हैं।

इसी अनोखे रूप के कारण पुराने रोमनों ने इसका नाम अपने युद्ध के देवता के नाम पर रखा था। मिस्र के लोग इस ग्रह को हर डेशर या लाल वाला कहते थे।

पृथ्वी के आकार का लगभग आधा

उल्लेखनीय है कि मंगल सूरज से चौथा ग्रह है और यह पृथ्वी के आकार का करीब आधा है। इसका रेडियस 3,390 किमी है। हालांकि, यह पृथ्वी के सबसे करीबी पड़ोसी ग्रहों में से एक है। इसका क्षेत्र ठंडा, सूखा और पथरीला है। यहां का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से लेकर -153 डिग्री सेल्सियस तक होता है।

मंगल से जुड़ी कुछ रोचक बातें: मंगल पर एक दिन, जिसे सामान्यतः सोल कहते हैं वह 24.6 घंटे का होता है। यह धरती के एक दिन से थोड़ा ज्यादा है। हालांकि, मंगल का एक साल धरती के 687 दिनों का होता है क्योंकि यह ग्रह सूरज से ज़्यादा दूर है।

यूएई में पाकिस्तानी भिखारियों की दुकान बंद, वीजा देना किया बंद

दुबई, एजेंसी। यूएई ने पाकिस्तान के आम नागरिकों को वीजा देना बंद कर दिया है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, यूएई सरकार को चिंता है कि कुछ लोग वहां जाकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। इस वजह से अब सामान्य पासपोर्ट वाले लोगों को वीजा जारी नहीं किया जा रहा।

पाकिस्तान के अतिरिक्त गृह सचिव सलमान चौधरी ने यह जानकारी सीनेट की मानवाधिकार समिति की बैठक में दी। उन्होंने कहा कि एक बार यह प्रतिबंध लग जाए तो इसे हटाना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह बात उन्होंने पाक अखबार डॉन की रिपोर्ट के आधार पर कही।

कुछ ही लोगों को मिल पा रहा है वीजा

सीनेट समिति की चेयरपर्सन सांसद समिना मुमताज जहरी ने भी कहा कि अब सिर्फ कुछ ही लोगों को बहुत मुश्किल से वीजा मिल पा रहा है। ओवरसीज रोजगार प्रमोटर ऐसाम बैग ने कहा कि यूएई सरकार को शिकायत मिल रही थी कि पाकिस्तानी नागरिक वर्क वीजा नहीं, बल्कि विजिट वीजा पर आकर वहां भीख मांगने लगते हैं। इसी वजह से यूएई ने वीजा देने की प्रक्रिया रोक दी है।

फिलहाल यूएई केवल ब्लू पासपोर्ट और डिप्लोमैटिक पासपोर्ट वालों को ही वीजा दे रहा है। इससे पहले भी यूएई ने वीजा आवेदन के लिए पुलिस का चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य किया था। गल्फ देश, खासकर दुबई और अबू धाबी, लाखों पाकिस्तानी नागरिकों की पसंदीदा जगहें रही हैं। हर साल 8 लाख से ज्यादा पाकिस्तानी गल्फ देशों के वीजा के लिए आवेदन करते हैं। लेकिन दिसंबर 2024 में यूएई, सऊदी अरब और कई अन्य खाड़ी देशों ने पाकिस्तान के 30 से ज्यादा शहरों के लोगों पर अनिश्चितकालीन वीजा रोक लगा दी थी। इसकी वजह कई मामलों में भीख मांगना, तस्करी, मानव तस्करी और अन्य अपराध बताए गए थे।

दुबई और सऊदी अरब कर रहे सख्ती

पाकिस्तानी पॉडकास्टर नदीर अली ने भी कहा था कि दुबई और सऊदी अब वीजा देने में बहुत सख्ती कर रहे हैं, और उन्हें खुद भी आईआईएफए अवॉर्ड्स में शामिल होने के लिए वीजा लेने में कठिनाई आई। यूएई पाकिस्तान का बड़ा व्यापारिक साझेदार है और वहां बड़ी संख्या में पाकिस्तानी काम करते हैं,।

पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?

दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए।

बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें- गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा

दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की।

नेपाल के नए 100 के नोट ने खड़ा किया विवाद

भारत के 3 इलाकों को बताया अपना

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के सेंट्रल बैंक ने नया 100 रुपये का नोट बाजार में उतारा है, लेकिन इस नोट के साथ पुराना सीमा विवाद फिर चर्चा में आ गया है। नोट पर छपे नक्शे में नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्र में दिखाया है, जो वर्षों से उत्तराखंड के हिस्से के रूप में जाने जाते हैं। इसी वजह से इस कदम को दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

नेपाली नेशनल बैंक के अधिकारियों के मुताबिक, पहले भी 100 रुपये के नोट में नेपाल का मानचित्र छपता था, लेकिन अब इसे 2020 में जारी किए गए राजनीतिक नक्शे के अनुसार बदल दिया गया है। उसी

नक्शे में तीनों विवादित इलाके नेपाल की सीमा में दिखाए गए थे। यही कारण है कि बदलाव केवल 100 रुपये के नोट तक ही सीमित है, क्योंकि बाकी मूल्य के नोटों में नक्शा नहीं होता। विवाद कैसे शुरू हुआ था? यह विवाद 2020 में तब उभरा था, जब नेपाल की तत्कालीन सरकार ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इस नक्शे में महाकाली नदी के उद्गम क्षेत्र को आधार बनाते हुए लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल की भूमि बताया गया था। नेपाल की संसद ने भी इसे मंजूरी दे दी थी। भारत ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि यह नक्शा ऐतिहासिक तथ्यों और प्रशासनिक सच्चाई से मेल नहीं खाता। अब उसी नक्शे को नोट पर छापने से मामला फिर से संवेदनशील हो गया है। भारत और नेपाल के बीच लगभग 1,850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, जो पांच भारतीय राज्यों से गुजरती है। दोनों देशों के बीच सीमा निर्धारण का आधार 1816 की सुगौली संधि है। विवाद की मूल वजह महाकाली नदी की मुख्य धारा को लेकर मतभेद हैं। भारत जिस धारा को नदी की मुख्य धारा मानता है, नेपाल उसे सहायक धारा बताता है। इसी भिन्नता के कारण दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं, और सीमा विवाद समय-समय पर उभरता रहता है। बाद विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भारत-नेपाल संबंधों में इस मुद्दे पर और चर्चा तथा प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

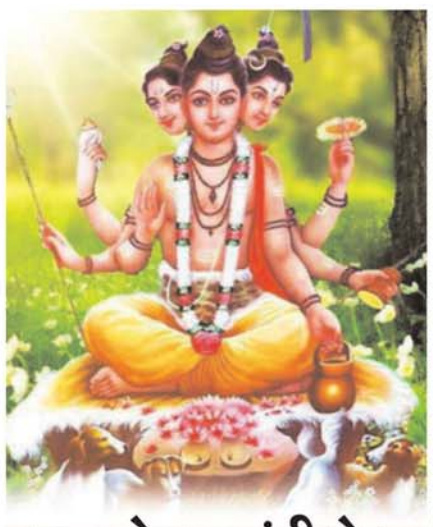

दत्तात्रेय जयंती के दिन करें इन मंत्रों का जाप, हो सकता है भाग्योदय

हिंदू धर्म में दत्तात्रेय जयंती को बेहद पवित्र माना जाता है। इस दिन भगवान दत्तात्रेय की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान दत्तात्रेय की पूजा मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस दिन त्रिदेव की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कोई मनोकामना है या फिर कोई सिद्धि प्राप्त करना चाहते हैं, तो दत्तात्रेय जयंती के दिन विशेष रूप से ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा-अर्चना कर सकते हैं। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसे मंत्र हैं, जिनका जाप करने से लाभ हो सकता है।

दत्तात्रेय जयंती के दिन करें ब्रह्मा जी के मंत्रों का जाप

हिंदू धर्म में ब्रह्मा जी सृष्टि के देवता हैं, इसलिए उनके मंत्र का जाप करने से व्यक्ति में सृजनात्मकता बढ़ती है। ब्रह्मा जी ज्ञान के देवता भी माने जाते हैं। उनके मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को ज्ञान की प्राप्ति होती है। ब्रह्मा जी के मंत्रों का जाप करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिलते हैं और सुख-सुविधाओं की भी प्राप्ति होती है।
ऊं वेदात्मने विद्महे, हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्म प्रचोदयात॥
ऊं ब्रह्मणे नमः
ऊं ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं सौह सतचिद एकं ब्रह्मा
ऊं ब्रह्मणे नमः

दत्तात्रेय जयंती के दिन करें भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप

दत्तात्रेय जयंती के दिन भगवान दत्तात्रेय (ब्रह्म, विष्णु और महेश) हैं। इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को भगवान दत्तात्रेय की आह्वान करना चाहिए। उसके बाद भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। इसलिए विष्णु की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप अवश्य करें।
ऊं नमो भगवते वासुदेवाय-
ऊं नारायणाय विद्महे, वासुदेवाय धीमहि, तन्नो विष्णुः प्रचोदयात
आप विष्णु सहस्त्रनाम का जाप भी पूरे विधि-विधान के साथ कर सकते हैं।

दत्तात्रेय जयंती के दिन करें भगवान भोलेनाथ के मंत्रों का जाप

दत्तात्रेय जयंती के दिन भगवान भोलेनाथ के मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो शिव जी की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप करने से लाभ हो सकता है।
ऊं नमः शिवाय-
महामृत्युंजय मंत्र-
शिव तांडव स्तोत्र-

कब है मोक्षदा एकादशी व्रत

सही तिथि, महत्व और पूजा विधि

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी कहा जाता है। यह व्रत करने से व्यक्ति और उसके पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है और ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है।

मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने वाले के साथ साथ उनके पितरों को भी मोक्ष मिलता है। ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। साल भर में आने वाली सभी एकादशी का अलग-अलग महत्व बताया गया है। ऐसी ही मोक्षदा एकादशी का व्रत करने वालों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं मोक्षदा एकादशी का व्रत इस बार कब किया जाएगा। साथ ही जानें महत्व और पूजा विधि।

मोक्षदा एकादशी कब

मोक्षदा एकादशी तिथि का आरंभ रविवार 30 नवंबर को रात 9 बजकर 30 मिनट पर होगा और 1 दिसंबर को शाम 7 बजकर 2 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। ऐसे में उदय तिथि के अनुसार, मोक्षदा एकादशी तिथि का 1 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। बता दें कि इसी दिन रात में 11 बजकर 18 मिनट पर पंचक भी समाप्त होगा।

मोक्षदा एकादशी व्रत का महत्व

ऐसी मान्यता है कि मोक्षदा एकादशी व्रत को करने वालों को इस जीवन में सुख समृद्धि और जीवन में आ रही सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। साथ ही पितरों की शांति होती है और ग्रह दोषों से राहत मिलती है। मोक्षदा एकादशी का व्रत बेहद ही कल्यकारी माना गया है। इस व्रत को करने से पितरों को भी मोक्ष मिलता है।

मोक्षदा एकादशी पूजा विधि

- मोक्षदा एकादशी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान करें।
- इसके बाद साफ और हल्के रंग के वस्त्र पहनें और उगते सूर्यों को अर्घ्य देकर व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद पूजा स्थल पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें।
- भगवान विष्णु को पीले फूल, पंचामृत, फल, केले, पीली मिठाई और तुलसी दल का भोग लगाएं।
- इसके बाद ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमन्मंत्र का जप करें और फिर मोक्षदा एकादशी व्रत कथा का पाठ करें।
- इसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आरती करें। अंत में सभी को प्रसाद वितरित करें और शाम के समय व्रत का पारण करें।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर लक्ष्मी यंत्र की पूजा के दौरान न करें ये गलतियां

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी के साथ ही लक्ष्मी यंत्र की पूजा करना भी उत्तम माना जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी यंत्र की पूजा के दौरान कौन सी बातों का ख्याल रखना चाहिए।

मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा इस साल 4 दिसंबर को पड़ रही है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। मान्यता है कि मां लक्ष्मी की पूजा मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और घर में सुख-समृद्धि का वास स्थापित होता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी के साथ ही लक्ष्मी यंत्र की पूजा करना भी उत्तम माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी यंत्र की पूजा के दौरान कौन सी बातों का ख्याल रखना चाहिए। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर लक्ष्मी यंत्र की पूजा के समय न करें ये भूल?

- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन घर में लक्ष्मी यंत्र की पूजा से पहले उसे चौकी पर स्थापित करें। चौकी जिस स्थान पर रखें उस जगह को अच्छे से स्वच्छ कर लें। अशुद्ध स्थान पर लक्ष्मी यंत्र को स्थापित न करें।
- शास्त्रों के अनुसार, किसी भी पूजा के लिए समय यानी कि शुभ मुहूर्त बहुत जरूरी होता है। ऐसे में मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी यंत्र की पूजा शुभ मुहूर्त देखकर ही करें नहीं तो फल नहीं मिलेगा।
- लक्ष्मी यंत्र की पूजा अगर पूर्णिमा के दिन कर रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि पांच प्रकार के फूल-पत्ते (पीपल, गुड़हल, कदंब, तुलसी, कनेर) लक्ष्मी यंत्र के समक्ष अवश्य अर्पित करने चाहिए।
- लक्ष्मी यंत्र की पूजा करना चाहते हैं मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन तो इस बात का भी धयान रखें कि गलत दिशा में यंत्र की स्थापना न करें। लक्ष्मी यंत्र को पूजा के लिए पूर्व दिशा में स्थापित करना शुभ होगा।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी यंत्र की पूजा से पहले उसे गंगाजल में अवश्य रखें। अगर गंगाजल उपलब्ध नहीं है तो लक्ष्मी यंत्र को तुलसी जल में भी रखना भी उत्तम और लाभकारी रहेगा।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी यंत्र की पूजा मां लक्ष्मी की पूजा के बाद करें। इसके अलावा, मां लक्ष्मी के सामने घी का दीया जलाने के बाद लक्ष्मी यंत्र के सामने अलसी के तेल का दीया जलाएं।
- जब लक्ष्मी यंत्र की पूजा संपन्न हो जाए तब उसे या तो घर की तिजोरी में रखें या फिर मंदिर में लेकिन लाल कपड़े में लपेटकर हमेशा लक्ष्मी यंत्र रखना चाहिए नहीं तो पूजा का फल नहीं मिलता है।

कौन हैं अन्नपूर्णा माता और काशी एवं मां पार्वती से क्या है उनका संबंध?

मार्गशीर्ष माह में माता अन्नपूर्णा की जयंती मनाई जाती है। हर साल मार्गशीर्ष माह के पूर्णिमा तिथि को माता अन्नपूर्णा की जयंती मनाई जाती है। माता अन्नपूर्णा को मां दुर्गा या पार्वती का ही रूप माना गया है। साथ ही काशी विश्वनाथ से भी माता अन्नपूर्णा का विशेष संबंध बताया गया है। काशी में माता अन्नपूर्णा का भव्य मंदिर है, जहां जाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। बहुत से भक्तों के मन में यह सवाल रहता है कि अन्नपूर्णा कौन है और माता पार्वती के बीच क्या संबंध है। स्कंदपुराण और काशी खंड में माता अन्नपूर्णा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। माता अन्नपूर्णा के स्वरूप का वर्णन करते हुए पुराणों में कहा गया है कि वह काफी सुंदर और मनमोहक हैं। उन्हें माता दुर्गा का ही रूप बताया गया है, जो भक्तों पर करुणा करती हैं। माता अन्नपूर्णा के कृपा से कोई भी भक्त भूखा नहीं रहता। माता अन्नपूर्णा को अन्न की देवी कहा गया है, इसलिए उनका नाम भी अन्नपूर्णा है। अन्नपूर्णा का अर्थ है अन्न की पूर्ति करने वाली। माता अन्नपूर्णा को लेकर यह तथ्य भी सत्य है कि वो पूरे सृष्टि में अन्न और भोजन का संचालन करती हैं।

काशी और मां अन्नपूर्णा का क्या है संबंध?

शास्त्रों के अनुसार यह कहा गया है कि मां अन्नपूर्णा ने ही पार्वती के स्वरूप में भगवान शिव से विवाह किया था। भगवान शिव कैलाश के निवासी थे, लेकिन माता पार्वती कैलाश में रहना पसंद नहीं था। इसलिए भगवान शिव माता पार्वती के साथ काशी रहने आए। भगवान के काशी आने के बाद काशी को भोलेनाथ की नगरी कहा जाने लगा। काशी में माता अन्नपूर्णा का भव्य मंदिर है, जहां स्वयं काशी पति भगवान भोलेनाथ माता अन्नपूर्णा से अन्न की भिक्षा मांग रहे हैं। माता अन्नपूर्णा के नगरी में जो कोई भी जाता है वो भूखा नहीं लौटता है, माता अन्नपूर्णा का यह मंदिर अन्नकूट के दिन खुलता है और उस दिन 56 तरह के भोग लगाए जाते हैं।

भगवान शिव ने क्यों मांगी माता अन्नपूर्णा से भिक्षा?

पौराणिक कथा के अनुसार एक समय जब पृथ्वी पर सूखा पड़ गया था और जमीन बंजर हो गई थी तब शिव जी ने पृथ्वी के जीवों के कल्याण के लिए स्वयं भिक्षुक बन माता पार्वती के अन्नपूर्णा स्वरूप से भिक्षा मांगी थी। भगवान शिव माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगे और उस अन्न को लेकर पृथ्वी गए थे। पृथ्वी लोक में भगवान शिव ने भिक्षा में मांगे उस अन्न को बांट दिया और एक बार फिर पृथ्वी लोक धन-धान्य से संपन्न हो गया। इस दिन के बाद पृथ्वी लोक में अन्नपूर्णा जयंती मनाया जाने लगा।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी को लगाएं इन 3 चीजों का भोग

हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि को मार्गशीर्ष पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। आपको बता दें, मार्गशीर्ष पूर्णिमा 4 दिसंबर को पड़ रहा है। इस दिन भाग्योदय के लिए कई तरह के उपाय भी किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से व्यापार में तरक्की और रुके हुए धन की प्राप्ति होती है। गंगा स्नान और दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। अब ऐसे में मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी को किन चीजों का भोग लगाने से लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है।

माता लक्ष्मी को लगाएं श्रीफल का भोग

श्रीफल को जिसे नारियल भी कहा जाता है, माता लक्ष्मी को अर्पित करने का विशेष महत्व है। इसे देवी-देवताओं को समर्पित करने के लिए शुभ मानाजता है। श्रीफल को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी धन की देवी हैं, इसलिए उन्हें श्रीफल अर्पित करने से घर में धन का आगमन होता है और समृद्धि बढ़ती है। श्रीफल को माता लक्ष्मी का प्रिय फल माना जाता है। मान्यता है कि माता लक्ष्मी को श्रीफल अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। श्रीफल को लाल धागे से बांधकर अर्पित करने से और अधिक शुभ माना जाता है। इसलिए मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी को श्रीफल का भोग लगाएं।

माता लक्ष्मी को चढ़ाएं पान का भोग

पान को समृद्धि, वैभव और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी धन की देवी हैं, इसलिए उन्हें पान अर्पित करने से घर में धन का आगमन होता है और समृद्धि बढ़ती है। ज्योतिष शास्त्र में पान के पत्ते को शुक्र ग्रह का प्रतीक माना जाता है। शुक्र ग्रह प्रेम, सौंदर्य, समृद्धि, वैभव और का कारक ग्रह है। इसलिए माता लक्ष्मी को पान के पत्ते का भोग जरूर लगाएं।

माता लक्ष्मी को लगाएं बताशे का भोग

माता लक्ष्मी को बताशे का भोग लगाने से उनकी कृपा भक्तों पर बनी रहती है। बता दें, बताशे का संबंध शुक्र ग्रह से है और माता लक्ष्मी की पूजा भी शुक्रवार के दिन करना सौभाग्यशाली माना जाता है। इसलिए अगर आप माता लक्ष्मी को बताशे का भोग लगा रहे हैं, तो इससे धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है और मनोवांछित फलों की भी प्राप्ति हो सकती है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन घर में लगाएं ये पौधा

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पूर्णिमा तिथि मां लक्ष्मी को समर्पित होती है और इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इसी कड़ी में अब मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा 4 दिसंबर को पड़ने वाली है। इस दिन माता लक्ष्मी की आराधना करने से घर में धन का आगमन होगा और आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। वहीं, इस दिन घर में एक पौधा लगाने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। मां लक्ष्मी का प्रिय पौधा गुड़हल माना गया है। ऐसे में मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन घर में गुड़हल का पौधा लगाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है और उनकी कृपा व्यक्ति एवं उसके पूरे परिवार पर बरसने लगती है। यह पौधा मंगल के शुभ प्रभाव को बढ़ाता है और जीवन में सामंजस्य लाता है। गुड़हल का पौधा प्रेम और रिश्तों को मजबूत बनाने का काम भी करता है। यह पौधा घर के भीतर सुख, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने में मदद करता है। रिश्तों के तनाव को दूर करने के लिए गुड़हल का पौधा उपयोगी है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन गुड़हल का पौधा घर में लगाने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है और पारिवारिक शांति की स्थापना भी होती है।

गुरु तेग बहादुर के 350वें साल शहीदी पर्व पर व्याख्यान का आयोजन

गुरु तेग बहादुर की शहीदी पर्व पर समर्पित कार्यक्रम में धर्म और स्वतंत्रता की गरिमा को रेखांकित किया गया

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में सिक्ख धर्म के नौवें गुरु हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर की 350 वीं शहीदी साल शहीदी पर्व को समर्पित कर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की भूमिका को रखा। डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत संघचालक एवं छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर के पूर्व प्राध्यापक डॉ. टोपलाल वर्मा रहे। उन्होंने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि सिक्ख परंपरा के नवम गुरु हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर देशभर में धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इतिहास में यह कालखंड वह समय था जब भारत का अधिकांश भाग मुगल शासक औरंगजेब की कट्टर नीतियों व जबरन मतांतरण के अत्याचारों से पीड़ित था। कश्मीर घाटी के पीड़ित जन पं. कृपाराम दत्त के नेतृत्व में धर्म की रक्षा हेतु गुरु तेग बहादुर के पास पहुंचे। समाज की पीड़ा और परिस्थिति की भीषणता को समझकर गुरुजी ने मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए आत्मोत्सर्ग का निर्णय लिया। मुगल शासन ने उन्हें इस्लाम स्वीकार ने अथवा मृत्यु चुनने का आदेश दिया, परंतु गुरुजी ने अत्याचार के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उनके आत्मबल को तोड़ने हेतु मुगल सत्ता ने उनके शिष्यों–भाई दयाला, भाई सतीदास और भाई मतिदास–को अत्यंत नृशंस तरीकों से शहीद कर दिया। अंततः मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी, संवत् 1732 (1675 ई.) को दिल्ली के चांदनी चौक में गुरुजी ने शीश समर्पित कर धर्म, संस्कृति और मानवता की रक्षा हेतु दिव्य ज्योति में लीन हो गए। उनका संदेश काहू को देत नाहि, न भय मानत आनि समाज में निर्भयता और धर्मरक्षा की प्रेरणा देता है। अगले वक्त के रूप में गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा बेमेतरा के अध्यक्ष सरदार गुरदयाल सिंह चावला रहे। उनका कहना था कि गुरु की शहादत के साथ एक बात पक्की हो गई थी कि धर्म किसी पर जबरन नहीं थोपा जा सकता। गुरु की विचारधारा को समझने के लिए हमें उनकी बाणी को पढ़-सुनकर उस पर अमल करना चाहिए, तभी हम उनके द्वारा दिखाए गए आदर्शों पर चलने के लिए योग्य हो सकते हैं। गुरु साहिब के 57 श्लोक गुरु ग्रंथ साहिब के अंग 1426 से आरंभ होकर अंग 1429 तक दर्ज है। इसके पश्चात् वक्ता के रूप में सरदार मनजीत सिंह मानवीय शिक्षा शोध संस्थान अछोटी, दुर्ग से रहे। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर की शहादत धार्मिक अन्याय के सामने अपने सिद्धांतों की रक्षा करते हुए मृत्यु को कबूल करने की साखी है। विश्व के इतिहास में यह उल्लेख कहीं भी नहीं मिलता है कि किसी अन्य अवतार,पैगंबर तथा रहिबर ने गुरु की तरह किसी अन्य धर्म के लिए शहादत दी हो। आज के समय में हमें मानव धर्म की रक्षा के लिए सहअस्तित्व को समझ कर व संबंधपूर्वक जीने की आवश्यकता है। तभी सही मायने में मानवता की स्थापना करना संभव हो पाएगा। बेमेतरा के स्टेज सेक्रेटरी जगजीत सिंह ने अपने भावपूर्ण वक्तव्य में गुरु तेग बहादुर की शहादत से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कश्मीर के गवर्नर इफ्तिखार खां ने औरंगजेब की उस कठोर नीति को लागू किया जिसके तहत कश्मीर को 'मुस्लिम भूमि' बनाने का प्रयास किया जा रहा था। इस आदेश के परिणामस्वरूप कश्मीरी पंडितों को जबरन इस्लाम धर्म स्वीकार करने को बाध्य किया गया। विवश ब्राह्मणों ने छह माह का समय लेकर विचार किया और अंततः गुरु नानक देव की नवम ज्योति, गुरु तेग बहादुर के पास अपनी पीड़ा प्रकट की। उनकी व्यथा सुनकर गुरु जी अत्यंत गंभीर हो उठे।

मीनाक्षी शर्मा को प्राचार्य पद में पदोन्नत होने पर शाला विकास समिति ने दी बधाई

बेमेतरा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी की प्रधान पाठक मीनाक्षी शर्मा को प्राचार्य पद पर प्रमोशन होने की बधाई एंव पुष्प गुच्छ से स्वागत शाला प्रबंधन एवं विकास समिति सिंघौरी द्वारा दी गई। मीनाक्षी शर्मा 2017 से प्रधान पाठक के पद पर सिंघौरी में पदस्थ थे। साथ ही उन्होंने प्रभारी प्रधान पाठक के रूप में संस्था की शिक्षिका सरस्वती साहू को कार्यभार ग्रहण कराया। बता दे शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। मीनाक्षी शर्मा ने प्रमोशन के उपलक्ष्य पर प्राथमिक, मिडिल एंव हाई स्कूल के सभी बच्चो को मिक्चर एंव मिठाई बांटे एंव सभी शिक्षकों एंव समिति के सदस्यों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गयी थी। मीनाक्षी शर्मा ने सिंघौरी स्कूल में बिताये अपनी स्वर्णिम काल को यादगार बनाने के लिए समिति एंव शिक्षकों के सहयोग से शाला परिसर में आम का पौधा भी रोपण किये। इसी दौरान हाई स्कूल (सेजेस हिंदी) सिंघौरी में नवनियुक्त प्राचार्य संजय प्रसाद प्यासी का भी पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया।इस अवसर पर नारद साहू अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति, पोषण वर्मा शिक्षाविद, नीतू कोठारी पार्षद, कमल मानिकपुरी, संजय, गजाधर, गोलू, मोहन सहित शाला परिवार से रामगोपाल चंद्राकर प्रभारी प्राचार्य, धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक, प्रतिभा, सरिता, राजेश गायकवाड़, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, राजेश नामदेव, प्रशांत बघेल, किरण खरे, पूनम साहू, रेणुका अग्रवाल, आगेश्वरी साहू, साजन वर्मा एंव बच्चें उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर बोड़ला में नि:शुल्क सोनोग्राफी एवं रक्तदान शिविर आयोजित

सोनोग्राफी की प्रमुख उपयोगिता

सोनोग्राफी से शिशु के विकास की निगरानी, प्रसव तिथि एवं गर्भावस्था की पुष्टि, प्लेसेंटा की स्थिति व अम्नियोटिक द्रव की जांच, जन्मजात विकृतियों की पहचान, जटिलताओं (जैसे प्लेसेंटा प्रीविया) का पता, एक से अधिक शिशु की पहचान की जाती है।

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बोड़ला में गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ, जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सीमित रहती है। शिविर के दौरान कुल 91 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी जांच की गई, जिससे हाई रिस्क गर्भावस्था की समय रहते पहचान हो सकी। चिकित्सकों द्वारा प्रसव पूर्व देखभाल, पोषण, एनीमिया की रोकथाम एवं संस्थागत प्रसव के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। बोड़ला, चिल्फी, रेंगाखार, तरेगांव, झलमला सहित वन क्षेत्रों की महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया। शिविर में 146 ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच (ओपीडी) भी की गई, जिसमें उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ, परामर्श एवं आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराई गई। वहीं रक्तदान शिविर में 6 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। चिकित्सकों ने बताया कि रक्तदान से दुर्घटना, प्रसव एवं शल्य चिकित्सा के दौरान जीवन रक्षा संभव होती है तथा गंभीर रोग से पीड़ित मरीजों को सहारा मिलता है। इस शिविर से बोड़ला सेक्टर के मंडलटोला, खरिया, बैरक, बोड़ला; पोड़ी सेक्टर के रामहेपुर, सारंगपुरकला, कुसुमघटा, पोड़ी; बैजलपुर सेक्टर के खंडसरा, भलपरी, मढ़ाडाबरी, मड़मढ़ा, बैजलपुर आदि ग्रामों के ग्रामीण लाभान्वित हुए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचें। ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को और अधिक मजबूत किया जा सके। समग्र रूप से यह शिविर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी रहा। ग्रामीणों ने सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तूरे ने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश और कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में इस प्रकार के शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे है। जिससे अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच सुनिश्चित हो सके। वहीं बीएमओ डॉ. पुरुषोत्तम राजपूत ने कहा कि सोनोग्राफी द्वारा हाई रिस्क गर्भावस्था की पहचान जल्दी हो जाती है, जो वनांचल क्षेत्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गौ सेवा आयोग की बैठक में लिया गया अहम निर्णय

बेमेतरा। जिला स्तरीय गौ सेवा आयोग की बैठक अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम कर जिला एवं स्थानीय समिति, संस्थान के सदस्य गण मौजूद रहे। बैठक में जिले में गौवंश के संरक्षण और संवर्धन पर व्यापक चर्चा किया गया। जिसमें गौ सेवा धामों के संचालन के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। बैठकों में गौशालाओं की स्थापना, निरीक्षण, अनुदान वितरण, और गौसेवा से जुड़े सदस्यों की भूमिका पर चर्चा की गई। बैठक में गौधाम योजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई, जिसके तहत निराश्रित पशुओं का समुचित देखरेख के साथ व्यवस्थित तरीके से संरक्षण किया जाएगा। जिला और ब्लॉक स्तरीय समितियों को नई गौशालाओं की स्थापना के लिए अनुशंसा और अनुदान स्वीकृति दिया जाएगा।समिति के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण कर गौशाला की स्थिति जैसे चारा, पानी, चिकित्सा आदि सुविधा का मूल्यांकन किया जाएगा। बैठकों में गौ धाम संचालन के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों का अनुमोदन कर अविलंब भूमि आबंटन की कार्यवाही करने कहा गया है। बैठक में गौशालाओं के प्रबंधन और संचालन की गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने के संबंध में समिति के सदस्यों द्वारा चर्चा किया गया।

ग्रामीण विकास और पर्यावरण

जैविक खेती और पंचगव्य उत्पादन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों को प्रशिक्षित करने की योजना पर चर्चा हुई। गौमूत्र और गोबर से बनने वाले जैविक खाद और कीटनाशकों के उपयोग से पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठकों में गोवंश तस्करी को रोकने के लिए निगरानी के साथ कार्य करने पर भी चर्चा की गई।

गौशालाओं का प्रबंधन और आत्मनिर्भरता

गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित योजनाओं पर चर्चा हुई। जिसमें हरा चारा उत्पादन और गोमूत्र-गोबर से जैविक खाद और अन्य उत्पादों के उत्पादन पर जोर दिया गया।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का स्थापना दिवस में, बेमेतरा जिला से 25 से अधिक कवि साहित्यकार हुए शामिल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के स्थापना दिवस संस्कृति विभाग के सभागार भवन घड़ी चौक के पास रायपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर के विधायक पुरेन्दर मिश्रा, धरसीवां के विधायक अनुज शर्मा एवं फिल्मी विकास बोर्ड के अध्यक्ष मोना सेन तथा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शिरीश शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल संस्कृति मंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा को राज भाषा बनाने के लिए आठवीं अनुसूची में दर्ज करना अनिवार्य है इसके लिए कुछ वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ विधानसभा से प्रस्ताव बनाकर दिल्ली भेजा गया था, लेकिन कुछ तकनीकी त्रुटी रह गई थी उसको सुधारने वापस कर दिया गया था, अब वह त्रुटी सुधारा जा रहा है बहुत जल्द चुस्त दुरुस्त कर फिर से वह प्रस्ताव दिल्ली भेजा जायेगा, ताकि जल्दी से जल्दी छत्तीसगढ़ी को भाषा राजभाषा का दर्जा मिल जायेगा। आमंत्रित समस्त अतिथियों ने भी छत्तीसगढ़ी भाषा को राजभाषा में दर्ज करवाने का भरोसा दिलाये। प्रदेश के कोने कोने से लगभग 300 से अधिक वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार उपस्थित रहे जिसमें चर्चा गोष्ठी, पुस्तक विमोचन, पुस्तक मेला तथा अनेकों वरिष्ठ कवियों का सम्मान किया गया। उक्त कार्यक्रम में बेमेतरा जिला से हास्य व्यंग्य कवि एवं राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक रामानन्द त्रिपाठी के नेतृत्व में 25 से अधिक कवि एवं साहित्यकारों ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज किये। साथ में कविता पाठ भी किये जिसमें बेमेतरा से प्रसिद्ध गीतकार डा.गोकुल बंजारे चंदन, हास्य व्यंग्य कवि कृष्णा भारतीय, ओज रस के कवि ईश्वर साहु, जगदीश सोनी, रमेश चौहान, मनोज श्रीवास्तव, मनोज पाटिल मणि, हरीश पटेल, पंकज शर्मा, हेमशंकर पाटिल, बिशाल ध्रुवे गंवइहा, संतोष साहु, तारकेश्वर साहु, विकाश कश्यप, दिलीप टिकरिहा, सुरेश निर्मलकर, नरेन्द्र साहु, मूलचंद साहु, हृदय विश्वकर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

डीपीएस महाराजपुर में वार्षिक खेल महोत्सव : अनुशासन, ऊर्जा और उत्कृष्ट प्रदर्शन का संगम

कवर्धा। आयोजित त्रिदिवसीय एनुअल स्पोर्ट्स डे 2025-26 का मुख्य समारोह गरिमा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएफओ निखिल अग्रवाल थे। डायरेक्टर आशीष कुमार, अभिषेक अग्रवाल एवं प्रिंसिपल की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के पारंपरिक स्वागत और फ्लैग अनफ्लोरिंग से हुई। हेड बॉय द्वारा प्रज्वलित मशाल पूरे मैदान में घुमाई गई। मुख्य अतिथि ने खेल महोत्सव का औपचारिक उदघाटन किया तथा शांति व खेल-भावना का संदेश देने सफेद कबूतर उड़ाए गए। हेड बॉय ने सभी प्रतिभागियों को स्पोर्ट्स ओथ दिलाई। चारों हाउस–शिवाजी, टैगोर, अशोक और रतन टाटा–का आकर्षक मार्च पास्ट कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें प्रथम स्थान टैगोर हाउस, द्वितीय अशोक हाउस और तृतीय शिवाजी हाउस ने प्राप्त किया। प्री-प्राइमरी बच्चों ने भी मनमोहक मार्च प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरीं। कक्षा 3-5 के विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य और कक्षा 6-8 ने एरोबिक डांस की ऊर्जावान प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि एवं विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को अनुशासन, टीमवर्क और उत्कृष्टता का संदेश देते हुए प्रेरित किया। प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैबिट रेस, फ्रॉग रेस, रिंग रेस, आइसक्रीम रेस, 2-लेग्ड, 3-लेग्ड रेस, 200 मीटर और रिले रेस में प्रतिभा दिखाई। विजेताओं को मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बेस्ट एथलीट वेदिका योगी (6-8 गर्ल्स), योगेश्वर मरकाम (6-8 बॉयज़), पंकज (9-12 बॉयज़), आरोही जायसवाल (9-12 गर्ल्स), बेस्ट हाउस शिवाजी हाउस (रेड), रनर-अप अशोक हाउस (ब्लू)। प्राचार्या ग्रेसिया ऐन फीग्रेड ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए खेलों को अनुशासन व आत्मविश्वास का आधार बताया। पुरुष शिक्षकों की स्प्रिंट रेस और महिला शिक्षिकाओं की आइसक्रीम बैलेंस रेस ने कार्यक्रम में रोचकता जोड़ी। मंच संचालन शुभम सर और भारत सर ने किया। उत्साह, सौहार्द और अनुशासन से भरा यह त्रिदिवसीय स्पोर्ट्स महोत्सव विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए अविस्मरणीय बन गया।

हाई स्कूल डंगनिया में साइकिल वितरण किया गया

थान खमरिया। शासकीय हाईस्कूल डंगनिया विकासखण्ड साजा के 8 बालिकाओं को सरस्वती सायकल वितरण योजना अंतर्गत निःशुल्क सायकल वितरण सरपंच ग्राम पंचायत डंगनिया मदनलाल वर्मा, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष घनश्याम शुक्ला एवं प्राचार्य बिजेराम साहू की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर नेतराम मंडावी, संकुल समन्वयक राजू पटेल, व्याख्याता अर्चना नागवंशी, टेकुराम साहू, जयराम चंदेल, प्रधानपाठक सतीश वैष्णव, गिरधर साहू, शिक्षक नन्दकुमार मस्तके, संजय मनहरे, भगवती यादव एवं पालकगण उपस्थित थे।

बोरखनन व पाईपलाईन विस्तार हेतु भूमिपूजन, वित्त आयोग से स्वीकृत 42 लाख से होगा कार्य, नगर पंचायत अध्यक्ष व पार्षद द्वारा भूमिपूजन

डोंगरगांव नगर। नगर के वार्ड 14 स्थित घुमरिया नदी किनारे बोरखनन एवं वार्डों में पाईपलाईन विस्तार के लिए भूमिपूजन किया गया। 15वें वित्त आयोग से स्वीकृत लगभग 42 लाख की राशि से पाईपलाईन विस्तार सहित बोरखनन कार्य भी किया जायेगा। नदी किनारे से लेकर बीपीएस स्कूल एवं खेलमैदान समीप वाटर हेड टैंक तक पाईपलाईन का विस्तार किया जायेगा। उक्त विकास कार्य होने से सम्बंधित वार्डों में गर्मी के सीजन में जलापूर्ति की समस्या से निजात मिल सकेगी। भूमिपूजन के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, वार्ड पार्षद एवं लोकनिर्माण विभाग सभापति पुरुषोत्तम साहू, गणमान्यजन कृष्णकुमार शर्मा, पुसउ पटेल, नूतन साहू, मनबोधी पटेल, धर्मेंद्र साहू, तुषार यादव, सहायक अभियंता बर्मन सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में मनाया गया 'बाल विवाह निषेध दिवस'

बेमेतरा। जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'बाल विवाह निषेध दिवस' सशक्त और व्यापक रूप से मनाया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने जिला स्तर परियोजना समन्वयक राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में विभिन्न सरकारी एवं सामाजिक संस्थानों तक पहुँचकर बाल विवाह के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया और सभी को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर बेमेतरा जिले के शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस थानों, छात्रावासों, बाल देखरेख संस्थाओं, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों सहित सभी चिन्हांकित स्थानों पर बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। जिले के उच्च अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बाल विवाह के विरुद्ध समर्पण का संकल्प लिया। यह अभियान 100 दिनों तक जिलेभर में संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य बच्चों, किशोर-किशोरियों एवं महिलाओं को सुरक्षित भविष्य देना, समाज को बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई से मुक्त करना, सरकारी सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना, गाँव-गाँव संवाद, कार्यशालाएँ, रैली, चौपाल और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाना जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की सामूहिक पहल है, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध आगे आएँ, हर बच्चे के शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य को प्राथमिकता दें और बाल विवाह मुक्त बेमेतरा बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 38 प्रकरण में 5,000 रूपये समन शुल्क 19 प्रकरण न्यायालय में पेश

बेमेतरा। यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना बेमेतरा 08 चालान में 08वाहन चालक, थाना नांदघाट 06 चालान में 06 वाहन चालक, चौकी देवकर 22 चालान में 22 वाहन चालक, चौकी संबलपुर 10 चालान में 10 वाहन चालक, यातायात बेमेतरा 11 चालान में 11 वाहन चालक, कुल 57 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें 19 प्रकरण न्यायालय पेश किया गया एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 38 प्रकरण में 5,000/- रूपये समन शुल्क लिया गया। कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। यातायात बेमेतरा स्टॉफ ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन न चलाना न केवल कानून का पालन है बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। पुलिस का यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

पूर्व पार्षद सुंदरी जायसवाल का निधन

कवर्धा। नगर पालिका पंडरिया के पूर्व अध्यक्ष सुरेश जायसवाल की धर्मपत्नी और क्षेत्र की जनसेविका पूर्व पार्षद सुंदरी जायसवाल का शनिवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रही थीं। स्वर्गीय सुंदरी जायसवाल, वर्तमान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नवीन जायसवाल की माता थीं। उनके निधन से पंडरिया नगर तथा आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने उनके जनसेवा योगदान को याद करते हुए गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com